जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, रविवार 3 जुलाई, 2022

इतिहास में पहली और आखिरी बार

करोड़ों की 5 बेडरुम वाली कोठी सिर्फ 75 लाख में।

रेट किसी भी वक़्त 90 लाख हो सकती है

A Project By Kedia

THE KUNBA

बड़े परिवारों के लिए

NO MIDDLE-MEN DIRECT TO CUSTOMER

FIXED PRICE

Final Notice: Last Few Units Left

NEAR MPS, PRATAP NAGAR, TONK ROAD, JAIPUR

JDA की सीमा मे जमीन बेचने के लिये 7665078637 पर जमीन का सम्पूर्ण विवरण WhatsApp करें।

KEDIA
Transforming Realty

TOLL FREE: 1800-120-23-23, 7877-07-27-37

www.kedia.com | www.kediahomes.com | info@kediahomes.com

www.rera.rajasthan.gov.in | Rera No. RAJ/P/2022/1900

*T&C Apply

विचार बिन्दु

अतिथि जिसका अन्न खाता है, उसके पाप धुल जाते हैं। –अथर्ववेद

आयुर्वेद के आहार सबंधी महावाक्य

आज की चर्चा आयुर्वेद के आहार-विषयक महावाक्यों पर पुन:केन्द्रित है। यह ज्ञान हमें बीमारी से बचाकर लाखों रुपये व्यर्थ होने से बचाने में सक्षम है। एक बात पूर्व में बताना आवश्यक है कि आयुर्वेद में ज्ञान की सीमायें अनंत हैं। मेरे ध्यान में केवल चरकसंहिता, सुश्रुतसंहिता और अष्टांगहृदय में ही भोजन से संबंधित लगभग 1000 महावाक्य हैं। उनमें से यह एक ऐसी प्रारंभिक चयनित सूची है, जिसके बिना हमारा काम ही नहीं चल सकता। आप इसमें अपने प्रिय सूत्र या प्रिय महावाक्य जोड़ते रहिये,उस ज्ञान का प्रयोग कीजिये, स्वस्थ रहिये और प्रसन्न रहिये।

1. आरोग्यंभोजनाधीनम् (काश्यपसंहिता, खि. 5.9): सबसे पहले तो हमें यह जान लेना चाहिये, जैसा कि महर्षि कश्यप कहते हैं, कि आरोग्य भोजन के अधीन होता है। सारा खेल भोजन का है। इस महावाक्य का अर्थ यह मानिये कि खाने को खानापूर्ति की तरह मत लीजिये।

2. एकाशनभोजनंसुखपरिणामकराणांश्रेष्ठम् (च.सू.25.40): तात्पर्य यह है कि 24 घंटे में केवल एक बार भोजन तत्समय में सुख देने में श्रेष्ठ है क्योंकि यह सुखपूर्वक पच जाता है।

3. कालभोजनमारोग्यकराणांश्रेष्ठम् (च.सू.25.40): नियत काल या समय पर भोजन करना श्रेष्ठ है।

4. अन्नंवृत्तिकराणांश्रेष्ठम् (च.सू. 25.40, चयनित अंश): शरीर में दृढ़ता लाने वाले पदार्थों में अन्न सबसे श्रेष्ठ है।

5. सर्वरसाभ्यासोबलकराणाम्श्रेष्ठम् (च.सू. 25.40, चयनित अंश)सभी रसों से युक्त भोजन (मधुर, अम्ल, लवण, कटु, तिक्त, कषाय) बल करने वालों में श्रेष्ठ है।

6. आमलकंवय:स्थापनानांश्रेष्ठम् (च.सू. 25.40, चयनित अंश): वय:स्थापनया आयु-स्थिर करने वालों में आँवला श्रेष्ठ है।

7. नाप्रक्षालितपाणिपादवदनो (च.सू.8.20): महर्षि चरक ने कम से कम पांच हजार साल पहले यह महत्वपूर्ण सूत्र दिया था। आचार्य वाग्भट ने भी इसे सातवीं-आठवीं शताब्दी में धौतपादकरानन: (अ.हृ.सू. 8.35-38) के रूप में पुन: लिखा। इसका साधारण अर्थ यह है कि भोजन करने के पूर्व हाथ, पाँव व मुंह धोना आवश्यक है। इसके वैज्ञानिक महत्त्व पर बड़ी शोध हुई है। लन्दन स्कूल ऑफ़हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन के वैज्ञानिकों द्वारा की गयी एक शोध से पता लगा है कि हाथ धोये बिना भोजन लेने की आदत के कारण अकेले डायरिया से ही सालाना 23.25 अरब डॉलर की हानि भारत को हो रही है। यह हानि भारतीय अर्थव्यवस्था के कुल जीडीपी का 1.2 प्रतिशत है। हाथ धोने में लगने वाले कुल खर्च को समायोजित करने के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था को सालाना 5.64 अरब डॉलर की बचत हो सकती है। यह हाथ धोने में संभावित लागत का 92 गुना है।

8. नाशुद्धमुखो (च.सू.8.20): अशुद्धमुंह से अर्थात मुंह की शुद्धता सुनिश्चित किये बिना भोजन नहीं लेना चाहिये। साफ़-सफाई के पश्चात ही भोजन का आनंद लेना उपयुक्त रहता है।

9. न कुत्सयन्नकुत्सितं न प्रतिकूलोपहितमन्नमाददीत (च.सू.8.20): दूषित अन्न या भोजन यादुश्मन या विरोधियों द्वारा दिया गया भोजन नहीं खाना चाहिये।

10. न नक्तं दधि भुञ्जीत (च.सू.8.20): रात में दही नहीं खाना चाहिये। असल में दही यदि ताज़ा न हो तो उसके लाभदायक गुण नष्ट हो जाते हैं। इसीलिये यह महावाक्य बहुत उपयोगी है।

11. पूर्वंमधुरमश्नीयान् (सु.सू.46.460): भोजन में सबसे पहले मधुर या मीठे पदार्थ खाना चाहिये। इसका तात्पर्य यह है कि भोजन पूरा करने के बाद मिठाईया आइसक्रीम में हाथ मारना नुकसानदायक है। भोजन का अंत सदैव कटु, तिक्त या कषायरस से करना चाहिये।

12. आदौफलानिभुञ्जीत (सु.सू.46.461): फल भोजन के प्रारंभ में खाना चाहिये। भोजन के अंत में फल खाने की परंपरा अनुचित है।

13. पिष्टान्ननैवभुज्जीत (सु.सू.46.494): पीठी वाले भोजन प्राय:नहीं लेना चाहिये। अगर बहुत भूखे हैं तो कम मात्रा में पिष्टान्न लेकर उससे दुगनी मात्रा में पानी पीना चाहिये।

14. भुक्त्वाऽपियत्प्रार्थयतेभूयस्तत् स्वादु भोजनम् (सु.सू.46.482): जिस भोजन को खाने के बाद पुन: माँगा जाये, समझिये वह स्वादिष्ट है।

15. उष्णमश्नीयात् (च.वि.1.24.1): उष्ण आहार करना चाहिये। परन्तु ध्यान रखिये कि बहुत गर्म भोजन से मद, दाह, प्यास, बल-हानि, चक्कर आना व पित्त-विकार उत्पन्न होते हैं।

चरकसंहिता, सुश्रुतसंहिता और अष्टांगहृदय में ही भोजन से संबंधित लगभग 1000 महावाक्य हैं। उनमें से यह एक ऐसी प्रारंभिक चयनित सूची है, जिसके बिना हमारा काम ही नहीं चल सकता। आप इसमें अपने प्रिय सूत्र या प्रिय महावाक्य जोड़ते रहिये, उस ज्ञान का प्रयोग कीजिये, स्वस्थ रहिये और प्रसन्न रहिये।

16. स्निग्धमश्नीयात् (च.वि.1.24.2): स्निग्ध भोजन करना चाहिये। परन्तु घी में डूबे हुये तर माल के रूप में नहीं। रूखा-सूखा भोजन बल, वर्ण, आदि का नाश करता है परन्तु बहुत स्निग्ध भोजन कफ, लार, दिल में बोझ, आलस्य व अरुचि उत्पन्न करता है।

17. मात्रावदश्नीयात् (च.वि.1.24.3): मात्रापूर्वक भोजन करना चाहिये। भोजन आवश्यकता से कम या अधिक नहीं करना चाहिये।

18. जीर्णेऽश्नीयात् (च.वि.1.24.4): पूर्व में ग्रहण किये भोजन के जीर्ण होने या पच जाने के बाद ही भोजन करना चाहिये।

19. वीर्याविरुद्धमश्नीयात् (च.वि.1.24.5): वीर्य के अनुकूल भोजन करना चाहिये। अर्थात् विरुद्ध वीर्य वाले खाद्य-पदार्थों, जैसे दूध और खट्टा अचार आदि को मिलाकर नहीं खाना चाहिये।

20. इष्टेदेशेइष्टसर्वोपकरणंचाश्नीयात् (च.वि.1.24.6): मन के अनुकूल स्थान और सामग्री के साथ भोजन करना चाहिये। अभीष्ट सामग्री के साथ भोजन करने से मन अच्छा रहता है।

21. नातिद्रुतमश्नीयात् (च.वि.1.24.7): बहुत तेज गति या जल्दबाज़ी में भोजन नहीं करना चाहिये।

22. नातिविलम्बितमश्नीयात् (च.वि.1.24.8): अत्यंत विलम्बपूर्वक भोजन नहीं करना चाहिये।

23. अजल्पन्नहसन्तन्मनाभुञ्जीत (च.वि.1.24.9): बिना बोले बिना हँसे तन्मयतापूर्वक भोजन करना चाहिये। भोजन और तन्मयता का संबंध इतना प्रगाढ़ है कि भोजन के संबंध में आयुर्वेद में दी गई सम्पूर्ण सलाह निरर्थक जा सकती है, यदि भोजन तन्मयता के साथ न किया जाये।

24. आत्मानमभिसमीक्ष्यभुञ्जीत (च.वि.1.25): पूर्ण रूप से स्वयं की समीक्षा कर भोजन करना चाहिये। इसका तात्पर्य यह है कि शरीर के लिये हितकारी और अहितकारी, सुखकर और दु:खकर द्रव्यों का शरीर के परिप्रेक्ष्य में गुण-धर्म का ध्यान रखते हुये यहाँ दिये गये महावाक्यों के अनुरूप ही भोजन करने का लाभ है।

25. अशितश्चोदकंयुक्त्याभुञ्जानश्चान्तरापिबेत् (सु.सू.46.482): भोजन के पश्चात युक्तिपूर्वक पानी की मात्रा लेना चाहिये। तात्पर्य यह है कि खाने के बाद गटागट लोटा भर जल नहीं चढ़ा लेना चाहिये।

26. हिताहितोपसंयुक्तमन्नंसमशनंस्मृतम्। बहु स्तोकमकालेवातज्ज्ञेयंविषमाशनम्॥ अजीर्णेभुज्यतेयत्तुतदध्यशनमुच्यते। त्रयमेतन्निहन्त्याशुबहून्व्याधीन्करोतिवा॥ (सु.सू.46.494): हितकरऔर अहितकर भोजन को मिलाकर खाना (समशन), कभी अधिक कभी कम या कभी समय पर कभी असमय खाना (विषमाशन) या पहले खाये हुये भोजन के बिना पचे ही पुन: खाना (अध्यशन) शीघ्र ही अनेक बीमारियों को जन्म दे देते हैं।

27. प्राग्भुक्तेत्वविविक्तेऽग्नौद्विरन्नं न समाचरेत्। पूर्वभुक्तेविदग्धेऽन्नेभुञ्जानोहन्तिपावकम्। (सु.सू.46.492-493): सुबह खाने के बाद जब तक तेज भूख न लगे तब तक दुबारा अन्न नहीं खाना चाहिये। पहले का खाया हुआ अन्न विदग्ध हो जाता है और ऐसी दशा में फिर खाने वाला इंसान अपनी पाचकाग्नि को नष्ट कर लेता है।

28. भुक्त्वाराजवदासीतयावदन्नक्लमोगत:। तत:पादशतंगत्वावामपार्श्वेनसंविशेत्॥ (सु.सू.46.487): भोजन के बाद राजा की तरह सीधा तनकर बैठना चाहिये ताकि भोजन काक्लम हो जाये। फिर सौ कदम चल कर बायें करवट लेट जाना चाहिये।

29. नसक्तूनेकानश्नीयान्निशि न भुक्त्वा न बहून्निद्वर्नोदकान्तरितात्न छित्त्वाद्विजैर्भक्षयेत् (च.सू.8.20): सत्तू-भुने हुये अनाज का आटा-घी और चीनी के मिश्रण के बिना नहीं खाना चाहिये। सत्तू को रात में, भोजन के बाद, अधिक मात्रा में, दिन में दो बार, या पानी पी-पीकर ठांस कर, या दांतों को किटकिटाते हुये भी नहीं खाना चाहिये।

30. आहार:प्रीणन:सद्योबलकृद्देहधारक:। आयुस्तेज:समुत्साहस्मृत्योजोऽग्निविवर्द्धन:। (सु.चि., 24.68): स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और बीमारी को रोकने में भोजन का स्थान रसायन और औषधि से कम नहीं है। इस सूत्र का अर्थ यह है कि आहार से संतुष्टि, तत्क्षण शक्ति, और संबल मिलता है, तथा आयु, तेज, उत्साह, याददाश्त, ओज, एवं पाचन में वृद्धि होती है। सन्देश यह है कि साफ़-सुथरा, प्राकृतिक और पौष्टिक भोजन शरीर, मन और आत्मा की प्रसन्नता और स्वास्थ्य के लिये आवश्यक है।

31. हिताशी स्यान्मिताशी स्यात्कालभोजी जितेन्द्रिय:। पश्यन्रोगान्बहून्कष्टान्बुद्धिमान्विषमाशनात्॥ (च.नि.6.11): विषम भोजन से उत्पन्न तमाम अति-कष्टकारी रोगों को देखते हुये बुद्धिमान व्यक्ति को अपनी इन्द्रियों पर काबू पाकर हिताशी (हितकारी भोजन करने वाला), मिताशी (अपनी पाचन शक्ति के अनुसार नपा-तुला भोजन करने वाला) और कालभोजी (नियत समय पर भोजन करने वाला) होना चाहिये।

यह सत्य है कि जब भूख लगती है तब सिद्धांत नहीं भोजन चाहिये। परन्तु आयुर्वेद के इन महावाक्यों में निहित ज्ञान का उपयोग उग्र-आधारित रोग-जनन को रोकने और सदैव स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस में वरिष्ठ अधिकारी)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

मांस-भक्षक रोगाणु - नेक्रोटाइजिंग फेसाइटिस

'मांस-भक्षण' से आभास होता है जैसे कोई राक्षस हो। अपनी दुष्टता और आक्रामक प्रवृत्ति में तो सचमुच ये रोगाणु राक्षस ही होते हैं। तीव्र भक्षक, व भीतरघात करने वाले। चमड़ी में छेद या घाव से अन्दर आकर भीतर ही भीतर हाहाकार मचाने वाले राक्षसी रोगाणु। चमड़ी के प्रवेश स्थल पर विशेष कुछ नहीं, और अन्दर हाहाकार - मांस-भक्षण और घातक टॉक्सिन (विष) वमन। एक व्यक्ति जल्दी में काँटों वाली तारों की बाड़ से निकल रहा था। एक काँटा हाथ में घुस गया। चमड़ी में एक छोटा सा छेद, चुभन का दर्द, खून की एक बूँद। मजदूर था, विशेष परवाह नहीं की, कारण ऐसे काँटे तो चुभते ही रहते हैं। खून की बूँद साफ की, कोई घाव तो था नहीं, खून भी नहीं आ रहा था अत: और कुछ नहीं किया। लेकिन चुभने की जगह दर्द बढ़ता ही गया। पास की चमड़ी लाल हो गई। शाम को घर पहुँचा तब तक तो वेदना असहनीय हो गई। लाल चकत्ता भी और फैल गया। उसमें नीले घब्बे भी उभर आये। पूरा हाथ भारी, दर्द से सुन्न। कँपकँपी लगकर बुखार भी हो गया। सिरदर्द, उल्टी। कुछ ही घंटों में इतना विकराल रूप। चोट के अनुपात से कहीं अधिक वेदना और शीघ्रता से उभरते गंभीर लक्षण इस बात के संकेत थे कि यह काँटा चुभने से चमड़ी के पकने का साधारण केस नहीं है वरन् नेक्रोटाइजिंग फेसाइटिस का केस है।

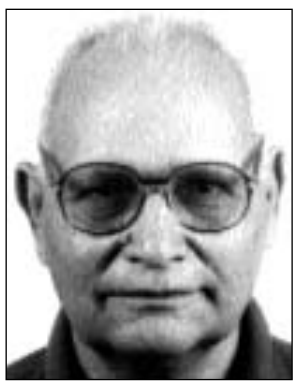

डॉ. श्रीगोपाल काबरा

ये रोगाणु विलक्षण होते हैं। चमड़ी पर सीधा आघात नहीं करते। चमड़ी के भीतर जड़-तंतु की परत - फैसिया - को अपना निशाना बनाते हैं। फैसिया की परत हाथ-पाँव की मांस-पेशियों के चारों ओर और उनके बीच पर्दे के रूप में होती है। मांस-भक्षक रोगाणु असल में तो जड़-तंतु की परत और पर्दों का ही भक्षण करते हैं लेकिन उसके बाद टाक्सिन्स (विष) वमन करते हैं जो परत और पर्दों के पार जाती नन्ही रक्त वाहिनियों को अवरुद्ध कर देते हैं।

फलस्वरूप अन्दर की मांस-पेशियों का भुर्ता बन जाता है, चमड़ी भी काली होकर मरने (गेंग्रीन) लगती है; मरी हुई मांस-पेशियों का भक्षण कर रोगाणु और तीव्रता से पनपते हैं, पूरे शरीर मे जहर फैल जाता है। मरीज को तो समझ ही नहीं आता कि छोटी सी चोट में इतनी जल्दी यह सब क्या हो गया। छोटी सी चोट के लिए आये थे और डॉक्टर कह रहा है चमड़ी काट कर बड़ा आपरेशन करना पड़ेगा और हो सकता है हाथ काटना पड़े। डाक्टर चाहता है आप इसकी लिखित अनुमति दें। बाकी हाथ तो बाहर से ठीक लग रहा है, काटने की अनुमति कैसे दे दें। संक्रमण ही तो है, दवा से क्यों नहीं ठीक हो सकता? खेतीहर मजदूर हाथ काटने की कैसे अनुमति दे दे। आपरेशन जो भी करना है करें। सर्जन ने आपरेशन कर अन्दर फैसिया और मांस-पेशियाँ, जो रोगाणु खा चुके थे या खा रहे थे, उन्हें हटाया, सफाई की। लेकिन उच्चस्तरीय मँहगी दवाओं के बावजूद असर नहीं हुआ, हाथ काटना ही पड़ा। बड़ी मुश्किल से जान बची।

मरीज के अब भी समझ में नहीं आ रहा, संक्रमण क्यों बढ़ता गया? क्या डॉक्टर के रोग समझ में नहीं आया? क्या दवाएं गलत थीं? या सही दवा दी ही नहीं गई?

डॉ. श्रीगोपाल काबरा,
वरिष्ठ चिकित्सक, जयपुर

राजस्थान का सर्वाधिक लोकप्रिय चरी नृत्य

चरी नृत्य को 1949 में फलकू बाई ने सामाजिक स्तर तक सार्वजनिक प्रदर्शन हेतु प्रारंभ किया

राजस्थान का सर्वाधिक लोकप्रिय चरी नृत्य है। यह किशनगढ़ राजघराने की अति प्राचीन परंपरागत नृत्य शैली है। चरी नृत्य विशेष रूप से राजघराने में गणगौर पर किया जाता था। चरी नृत्य को किशनगढ़ की युवरानी गोवर्धन कुंवर ने प्रोत्साहित कर संरक्षण प्रदान किया। प्रारंभ में यह नृत्य गुजर जाति की महिलाओं द्वारा किया जाता था। इस नृत्य को सन् 1949 में फलकू बाई ने अपनी लगन एवं मेहनत से मंचीय संरचना देकर सामाजिक स्तर तक सार्वजनिक प्रदर्शन हेतु प्रारंभ किया। इस नृत्य को जीवित रखने में फलकू बाई और उनके साथियों का अद्वितीय योगदान है। मोहन सिंह गौड़, सुनीता रावत एवं अन्य दल इस नृत्य को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे रहे हैं।

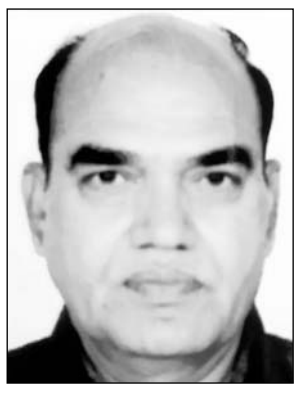

पन्नालाल मेघवाल

यह नृत्य गणगौर के अलावा बच्चे के जन्म, विवाह, मांगलिक कार्य, होली, दीवाली, दशहरा आदि पर भी किया जाता था। यह नृत्य धीरे-धीरे अन्य जातियों में भी किया जाने लगा। अब बदलते परिवेश में स्त्रियों के अलावा कॉलेज एवं स्कूल की बालिकाएं भी व्यावसायिक तौर पर नृत्य करने लगी हैं।

भारतीय संस्कृति में सिर पर कलश लेकर नृत्य करने की परंपरा सर्वत्र प्रचलित व सर्वोपरि रही है। प्राचीन काल से जल कलश शगुन का प्रतीक माना जाता है। अग्नि हमारी संस्कृति में देवता स्वरूप पूजी जाती है। किसी अवसर पर मेहमानों की अगवानी करने के लिए कलश में अग्नि प्रज्वलित करके नृत्य करते हुए अतिथि गृह में ले जाने की परंपरा रही है। चरी नृत्य परंपरा को प्रवाह देने के लिए सदैव गीत एवं नृत्य को माध्यम बनाया गया है। चाहे बारात की अगवानी हो या कोई अन्य तीज-त्यौहार, चरी नृत्य अवश्य किया जाता है।

प्राचीन काल में बिजली की व्यवस्था नहीं होने से चरी को रेत से भरकर संतुलन बनाने के लिए उस पर मिट्टी का एक बड़ा दीपक रखकर उसमें कपासे (बिनोले) डालकर सरसों के तेल में भिगोकर उसमें थोड़ा सा केरोसिन डालकर जला देते थे। स्त्रियां इसे सिर पर रखकर, लंबा घूंघट काढ कर ढोल, बांकिया, थाली की लयकारी के साथ स्वतंत्र रूप से कलाइयों को घुमाती हुई नृत्य करती थीं, आज भी यह परंपरा जीवित है।

अब बदलते परिवेश में स्त्रियों ने घूंघट निकालना छोड़ दिया है। नृत्य के आरंभ में ढोल, बांकिया व थाली कलाकार एक ओर पंक्तिबद्ध खड़े होकर वाद्य वादन करते हैं। उनके आगे छ: से आठ स्त्रियां सिर पर चरी रखकर कभी गोल घेरे में, कभी आधी स्त्रियां बैठकर और आधी उनके पीछे खड़ी होकर व उनके चारों ओर गोल-गोल घूम कर नृत्य करती हैं।

प्राचीन काल में नृत्य के समय गुर्जर जाति की महिलाएं काले रंग का लहंगा, कुर्ती तथा पीले रंग की ओढ़नी पहनती थीं। कमर में ऊन का बना कमरबंदा बांधती थीं। परंतु बदलते परिवेश में मंचीय प्रदर्शन हेतु संगीत नाटक अकादमी ने पोशाक में परिवर्तन कर दिया। अब स्त्रियां एकदम पारंपरिक लाल रंग का काली छींट का घाघरा पहनती हैं, जिस पर पीली मगजी व कोर लगी होती है। पीले रंग की कुर्ती जिस पर लाल मगजी और ओढनी पीले रंग की होती हैं। जिसके चारों ओर लाल केसरिया बंधेज के रूप में होता है। जिसे प्रचलित बोली में पीलिया कहते हैं। इस पर किरण व कोर के बने फूल लगे रहते हैं, पहनती हैं।

प्रारंभ में आभूषणों में सिर पर चांदी का बोर, कमर में कंदोरा, गले में घूंघट हंसली, बजंटी, बांहों पर खांच चूड़ा एवं पैरों में कडले पहनती थीं। बाजू पर बाजूबंद अथवा अणत पहनती थीं। कलाइयों में चांदी की फूल बंगड़ी का स्थान अब कृत्रिम आभूषणों ने ले लिया है। प्रारंभ में सौंदर्य प्रसाधन की कोई भी वस्तु काम में नहीं ली जाती थी, अब मंचीय प्रदर्शन में हल्के से मेकअप, लिपस्टिक आदि लगाई जाती है।

पन्नालाल मेघवाल,
वरिष्ठ लेखक एवं
स्वतंत्र पत्रकार

स्कूल के पास कक्षा 6 तक की मान्यता, पढ़ा रहे 12वीं कक्षा तक

नारायणपुर के चांदपुरी में संचालित स्कूल का जर्जर भवन।

नारायणपुर, (निसं)। उपखंड क्षेत्र में इन दिनों शिक्षा विभाग के नियमों की अनदेखी की जा रही है, शनिवार को ग्राम पंचायत चांदपुरी में एक जर्जर भवन में संचालित हो रहे सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल पर शिक्षा विभाग को कई अनियमतता मिली हैं। प्रधानाचार्य सत्यनारायण मीणा और उनके स्टाफ द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार संचालित स्कूल को इस बार ही कक्षा 6 तक के विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए अनुमति मिली थी, जबकि विद्यार्थियों से मालूम किया गया तो उसमें 12वीं तक के छात्र पढ़ रहे थे। जिस भवन में स्कूल संचालित हो रही है वह भी जर्जर बनी हुई है। प्रधानाचार्य सत्यनारायण मीणा ने स्कूल संचालक को जर्जर भवन में स्कूल नहीं चलाने के लिए पाबन्द किया। गौरतलब है कि उपखंड क्षेत्र में ऐसे अनेक स्कूल हैं जिनके पास मान्यता 8वीं तक और 12वीं तक के बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। चांदपुरी सरकारी स्कूल के प्रधानाचार्य सत्यनारायण मीणा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान जो अनियमितता मिली है, उनको मौखिक और लिखित में उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।

डॉ. सुरेका 28 साल में 1.80 लाख मिर्गी मरीजों को दे चुके नि:शुल्क दवा

चूरू, (कासं)। न्यूरो फिजिशियन डॉ. आरके सुरेका पिछले 28 साल में 1.80 लाख मिर्गी मरीजों को नि:शुल्क दवा दे चुके हैं। निकटवर्ती रतननगर में मिर्गी रोगियों को परामर्श देकर न्यूरो फिजिशियन डॉ. आरके सुरेका अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। मिर्गी रोगियों की चर्चा करते ही जिले में लोगों के सामने सबसे पहले वरिष्ठ न्यूरो फिजिशियन डॉ. आर.के सुरेका का नाम आता है। सबसे बड़े मिर्गी प्रशिक्षण सत्र के लिए 2018 में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड व मिर्गी पर काम के लिए लिम्का बुक ऑफ नेशनल रिकाड्र्स 2016 में स्थान प्राप्त कर चुके डॉ. सुरेका को कई जिला व राज्यस्तरीय पुरस्कार मिल चुके हैं। डॉ. सुरेका 28 साल से लगातार रतननगर में अब तक 333 निशुल्क मिर्गी निदान शिविर लगा चुके हैं। यहां नि:शुल्क परामर्श, जांच, उपचार के अलावा दवा भी मरीजों को दी जाती है। इस केंद्र में 7770 रोगी पंजीकृत हैं। अब तक 1.80 लाख मरीज परामर्श ले चुके हैं। इन 1.80 लाख मरीजों को निशुल्क दवा भी दी गई। डॉ. सुरेका द्वारा मिर्गी के मरीजों के लिए पिछले कई सालों से अपने वेतन से लगभग 70-80 हजार प्रति माह की राशि खर्च की जा रही है।

- **डॉ. सुरेका मरीजों के लिए पिछले कई सालों से अपने वेतन से लगभग 70-80 हजार प्रति माह खर्च कर रहे हैं**

डॉ. आर के सुरेका

राशिफल रविवार 3 जुलाई, 2022

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2079, आश्लेषा नक्षत्र प्रात: 6:30 तक, वज्र योग दिन 12:05 तक, विष्टि करण दिन 5:07 तक, चन्द्रमा प्रात: 6:30 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-मीन, शुक्र-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

रवियोग प्रात: 6:30 तक है। यमघट योग प्रात: 6:30 से सूर्योदय तक है। भद्रा सांय 5:07 तक रहेगी। आज विनायक चतुरथी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:24 से 9:06 तक। लाभ-अमृत 9:06 से 12:38 तक, शुभ 2:13 से 3:56 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:41, सूर्यास्त 7:21

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। कार्य योजना बन सकत है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। मन:स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव दूर होगा। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

धनु
धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृष
परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों उचित सफलता मिलेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। प्रयासों में में उचित सफलता मिलेगी।

मकर
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
आवश्यक कार्यों में प्रगति होगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ
व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मीन
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 26 संख्याः 333 प्रभात अजमेर, रविवार 3 जुलाई, 2022 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

नन्हा, बेहद फुर्तीला, झाड़ियों पर चढ़ने में माहिर, डिबलर नाम का यह जीव मांसाहारी है और कीड़े, छिपकली व चिड़ियों को खाता है, लेकिन इसे फूलों का पराग भी बहुत पसंद है। भूरे सलेटी रंग के इन जीवों का फर बिखरा-बिखरा होता है, आंखों पर सफेद छल्ले इनकी विशिष्टता हैं। ये ऐसे क्षेत्रों में रहना पसंद करते हैं जहां बहुत सारी पत्तियों का कचरा जमीन पर जमा हो, क्योंकि पत्तियों में छुपकर ये परपक्षी जानवरों की नज़रों से बच जाते हैं। सुबह और शाम नज़र आने वाले डिबलर का अस्तित्व खतरे में है। इनके क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों की वजह से इनके प्राकृतिक आवास सिकुड़ते जा रहे हैं। जिसका मुख्य कारण है, जंगल की आग व पेड़ों की कटाई। इसके अलावा रोग व परभक्षी जीवों से भी इन्हें खतरा है। डिबलर छोटे मार्सूपिअल हैं। इन्हें बचाने के लिए पर्थ ज़ू ने मदद की है और डिपार्टमैंट ऑफ पार्क्स एण्ड वाइल्डलाइफ के नेटिव स्पीशीज़ ब्रीडिंग प्रोग्राम में इन्हें शामिल किया है। डिबलर को उन्नीसवीं सदी के आरम्भ में लुप्त मान लिया गया था। वर्ष 1967 में वैस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण में चेनी तट पर एक डिबलर का जोड़ा मिला था। उसके बाद दो अलग-अलग स्थानों पर उनके छोटे-छोटे समूह मिल चुके हैं। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के साउथ वैस्ट तटवर्ती क्षेत्रों में और साउथ आस्ट्रेलिया के एयर प्रान्त में किसी समय ये बड़ी तादाद में मिलते थे।

मोदी चाहते हैं, कैप्टन अमरिन्दर सिंह अगले उप राष्ट्रपति बनें!

एन.डी.ए. के उम्मीदवार का उप राष्ट्रपति बनना लगभग तय सा है, क्योंकि संसद के दोनों सदनों के सदस्य ही वोटर होते हैं तथा एन.डी.ए. का भी बहुमत है लोकसभा में जिससे विपक्ष के किसी उम्मीदवार के जीतने की उम्मीद बहुत कम है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 2 जुलाई। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह (80) ने अपने विश्वस्त दूतों के जरिये प्रधानमंत्री मोदी को यह संदेश पहुँचाना शुरु कर दिया है कि, वे भाजपा में शामिल होना चाहते हैं और पंजाब में पार्टी का नेतृत्व करना चाहते हैं। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि, मोदी के पास उनके लिये कोई अलग ही विचार एवं योजना है।

चंडीगढ़ से प्रकाशित दैनिक "द ट्रिब्यून" में शनिवार को यह रिपोर्ट प्रकाशित हुई है कि, मोदी अमरिंदर सिंह को उपराष्ट्रपति पद के लिये एन.डी.ए. प्रत्याशी बनाना चाहते हैं। ज्ञातव्य है कि, वर्तमान उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू का कार्यकाल अगस्त में पूरा हो रहा है। तथापि, यदि भाजपा ने नायडू को ही दूसरा कार्यकाल दे दिया, तो भी कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। उपराष्ट्रपति का चुनाव 6 अगस्त को होना है तथा एन.डी.ए. के उम्मीदवार की जीत पक्की है क्योंकि इस पद के चुनाव में संसद के दोनों सदनों के सांसद ही मतदान करते हैं तथा इस पद के लिये चुनाव लड़ने की संगठित विपक्ष की किसी भी कोशिश को विफल करने के लिये, भाजपा के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने लंदन से, जहां वे स्पाइनल सर्जरी के बाद स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं, अपने समर्थकों को, जिन्होंने कैप्टन साहब के साथ कांग्रेस से इस्तीफा दिया था, फोन करके कहा कि, उनके अगले सप्ताह भारत आगमन पर स्वागत की तैयारी करें।
- कैप्टन साहब ने गृह मंत्री अमित शाह को भी फोन करके, औपचारिक तरीके से उनको भाजपा जॉइन कराने की प्रक्रिया पूरी करने का संदेश दिया है।
- जैसा कि विदित ही है, पंजाब के विधानसभा चुनावों से पूर्व अमित शाह ने कैप्टन साहब को भाजपा में शामिल होने का ऑफर दिया था, परन्तु कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने तब ऑफर स्वीकार नहीं किया था।
- पूर्व सांसद सुनील जाखड़, जो अमरिन्दर सिंह के नजदीक बताये जाते हैं, पहले ही भाजपा में शामिल हो चुके हैं।

भागवत जयपुर पहुँचे

जयपुर, 2 जुलाई (का.सं.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत शनिवार सुबह शताब्दी एक्सप्रेस से जयपुर पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर उत्तर-पश्चिम (राजस्थान) क्षेत्र के क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेश और क्षेत्र प्रचारक निंबाराम ने उनका स्वागत किया। भागवत स्टेशन से सीधे ही भारती भवन पहुंचे, जहां से वह भोजन व विश्राम कर दोपहर बाद चूरू के लिए रवाना हो गए। डॉ. भागवत शनिवार से 10 जुलाई तक राजस्थान के प्रवास पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वह चूरू में रात्रि विश्राम करेंगे, 3 जुलाई को सुबह 9 बजे चूरू से रतनगढ़ पहुंचेंगे और सुबह 10 से 12 बजे तक रतनगढ़ के गोल्छा ज्ञान मंदिर में तेरापंथ संघ के आचार्य महाश्रमण से वार्ता करेंगे।

- आर.एस.एस. के सरसंघचालक भागवत 10 जुलाई तक प्रदेश में रहेंगे।

इसी प्रकार दोपहर 12 बजे रतनगढ़ से चूरू के लिए प्रस्थान कर चूरू में ही रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन 4 से 10 जुलाई तक झुंझुनू में रहेंगे और अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक में शामिल होंगे। प्रांत प्रचारक मुख्य बैठक 7 से 9 जुलाई तक रहेगी। बैठक में देशभर के सभी प्रांत प्रचारक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कन्हैयालाल हत्याकाण्ड के आरोपी के भाजपा से कनैक्शन पर कांग्रेस आक्रामक

भाजपा ने आरोपों से इंकार किया

जयपुर / उदयपुर, 2 जुलाई (का.प्र.)। उदयपुर हत्याकांड के मुख्य आरोपी मोहम्मद रियाज अत्तारी का राजनीतिक कनैक्शन सामने आने के बाद कांग्रेस ने भाजपा पर हमला बोला है। दरअसल अत्तारी की एक फोटो विधानसभा में भाजपा के नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया के साथ सामने आने पर कांग्रेस ने भाजपा पर सवाल उठाया है। इसके साथ ही भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा से जुड़े एक कार्यकर्ता का एक पुराना पोस्ट भी सामने आया है। इसमें उसने रियाज को भाजपा कार्यकर्ता बताया जा रहा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा है कि उदयपुर में कन्हैयालाल मर्डर का मुख्य आरोपी बीजेपी कार्यकर्ता है, क्या इसी कारण केंद्र ने जल्दबाजी में एनआईए को जांच सौंपी? वहीं भाजपा ने अत्तारी के भाजपा कार्यकर्ता होने से इनकार किया है।

यह मामला तब सामने आया जब भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा से जुड़े उदयपुर के इरशाद चैनवाला और कार्यकर्ता मोहम्मद ताहिर के तीन साल पुराने एक सोशल मीडिया पोस्ट में रियाज दिख रहा है। एक फोटो में इरशाद चैनवाला रियाज को माला पहना रहे हैं। इस बारे में पूछे जाने पर इरशाद चैनवाला ने कहा कि रियाज मक्का-मदीना से उमरा करके लौटा था। तब माला पहनाकर उसका स्वागत किया गया था। चैनवाला ने कहा कि रियाज से उसे मोहम्मद ताहिर ने ही मिलवाया था। उसका रियाज से कोई कनैक्शन नहीं है। ताहिर पेशे से कैमरामैन एवं भाजपा कार्यकर्ता का उमरा की जियारत से उदयपुर आने पर इस्तकबाल किया गया। अल्लाह, रियाज अत्तारी भाईजान की तमाम दुआओं को कबूल फरमाए, आमीन। "यह पोस्ट ताहिर के फेसबुक अकाउंट से 25 नवंबर 2019 को डाली गई है। इसमें ताहिर और चैनवाला और एक भाजपा नेता रियाज को माला समर्थक है। उसकी प्रोफाइल फोटो पर भाजपा की पगड़ी नजर आ रही है। इसी ताहिर ने अपनी पोस्ट में रियाज को भाजपा कार्यकर्ता भी बताया है।

- कांग्रेस का कहना है कि, हत्यारा रियाज़ अत्तारी, नेता प्रतिपक्ष कटारिया और भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा नेताओं के साथ फोटो में नज़र आ रहा है।
- पवन खेड़ा बोले, क्या इन्हीं कारणों से घटना को जल्दबाजी में एनआईए को ट्रांसफर करने का फैसला किया है?
- कटारिया ने कहा, मैं या बीजेपी का कोई भी आदमी जुड़ा है या गलत है तो उसे सजा मिलनी चाहिए।

ताहिर ने अपनी पोस्ट पर रियाज अत्तारी को भाजपा कार्यकर्ता बताते हुए लिखा है कि भाजपा "हर दिल अजीज हमारे भाई रियाज अत्तारी, भाजपा पहनाते दिख रहे हैं। वहीं, ताहिर से जुड़े कई पोस्ट में रियाज अत्तारी नाम से फेसबुक अकाउंट मैंशन किया गया है। मगर वह अकाउंट डिलीट कर दिया गया है, और अब दिख नहीं रहा है। इसके अलावा ताहिर की 27 अक्टूबर 2019 की एक पोस्ट भी सामने आई है। इसमें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'गहलोत की चिढ़'

जयपुर, 2 जुलाई (का.सं.)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उनको लेकर दिए बयान पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर एक दोहे के माध्यम से पलटवार किया-"बोली एक अनमोल है, जो कोई बोलै जानि। हिये तराजू तौलि के, तब मुख बाहर आनि। "केंद्रीय मंत्री ने कहा कि" गहलोत जी की जुबां में मेरे लिए तो बुरा ही बुरा है। हर बार लगता है, वे इससे बुरा न कहेंगे, लेकिन अगली बार पहले से ज्यादा बुरा कह जाते हैं।

- केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, गहलोत को युवाओं से चिढ़ है, चाहे वे पार्टी में हों या विपक्ष में हों।
- मुख्यमंत्री के बयान पर केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री ने दोहा लिख पलटवार किया।

विष वमन इसे ही कहते हैं। शायद जोधपुर की जनता का लोकसभा चुनाव में मुझे दिया प्रचंड आशीर्वाद वो आज तक पचा नहीं पा रहे हैं।" शनिवार को जारी बयान में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मुम्बई-अहमदाबाद हाई-स्पीड कॉरीडोर व मैट्रो प्रोजैक्ट अविलम्ब पूरे करें'

नई शिन्दे सरकार पर भारी दबाव बनना शुरू हुआ, रूके हुए प्रोजैक्ट पूरे करने के लिये

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 2 जुलाई। सरकार बदलने के साथ ही, महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार पर बहुत बड़ा दबाव आ गया है कि, वे लम्बित पड़े रेल एवं मैट्रो प्रोजैक्टों की क्रियान्विति शुरु करें, जिनमें प्रधानमंत्री का पैट प्रोजैक्ट, मुम्बई-अहमदाबाद हाई-स्पीड कॉरिडोर का निर्माण भी शामिल है। अभी तक, भाजपा की यह शिकायत थी कि, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एम.वी.ए. सरकार इस प्रोजैक्ट के क्रियान्वयन के काम में बाधा बन रही है।

किन्तु यह संभव नहीं है कि, सरकार बदलते ही मुम्बई के परिवहन के प्रोजैक्ट तेजी से शुरु हो जायें, क्योंकि उनमें कानूनी पेचीदगियों के साथ-साथ प्रशासनिक एवं सामाजिक मुद्दे भी आड़े आयेंगे। इधर, शिंदे सरकार ने ठाकरे सरकार के फैसले को पलटते हुए, प्रस्तावित मैट्रो शैड को, आरे मिल्क कॉलोनी एरिया में बनाने की पूर्व योजना को बहाल करने का निर्णय ले लिया है। लेकिन इस योजना के क्रियान्वयन में पर्यावरणविदों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं की ओर से होने वाले विरोध के कारण बाधाएं आयेंगी।

राज्य की संवेदनशील राजनैतिक स्थिति को देखते हुये, शिंदे सरकार के लिये उन योजनाओं को आगे बढ़ाना मुश्किल होगा, जिन्हें अलोकप्रिय माना जा रहा है। पूर्ववर्ती देवेन्द्र फड़नवीस सरकार ने 12 मैट्रो लाइन्स चालू करने के लिए एक लाख करोड़ रू. की लागत के मैट्रो प्रोजैक्टों की घोषणा की थी, लेकिन ये प्रोजैक्ट बिल्कुल भी आगे नहीं बढ़े हैं। इस समय स्थिति यह है कि, केवल एक मैट्रो लाइन पर एक छोटे से टुकड़े का ही वाणिज्यिक कार्य के लिये संचालन हो रहा है। मैट्रो-शैड के निर्माण में हुये विलम्ब के कारण, मैट्रो प्रोजैक्टों में दो साल से ज्यादा देरी हो चुकी है।

इसी प्रकार, महाराष्ट्र में बुलैट ट्रेन प्रोजैक्ट भी रुका हुआ है क्योंकि इस प्रोजैक्ट की संशोधित लागत को लेकर भारतीय तथा जापानी सरकार को जो निर्णय लेना है वह अभी लम्बित है। इसी कारण, पानी के अंदर 7 किमी लम्बी रेल लिंक के निर्माण का चुनौतीपूर्ण काम अभी शुरु नहीं हुआ है। शिंदे सरकार पर ब्रांदा कुर्ला कॉम्प्लेक्स पर महाराष्ट्र सरकार की जमीन को छोड़ देने के लिये भी दबाव पड़ेगा। ठाकरे सरकार ऐसा करने के लिये राजी नहीं थी, क्योंकि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अब तक केन्द्रीय सरकार के पास "बहाना" था कि, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में एम.वी.ए. सरकार, केन्द्रीय सरकार के महत्वकांक्षी प्रोजैक्ट्स को पूरा करने के रास्ते में अनावश्यक रोड़े अटका रही है।
- इसी प्रकार फड़नविस सरकार ने 12 मैट्रो लाइन्स चालू करने के लिये एक लाख करोड़ रूपये के प्रोजैक्ट की घोषणा की थी। पर यह प्रोजैक्ट रूका पड़ा था, इन मैट्रो ट्रेन्स के लिये मैट्रो शैड न होने के कारण। पर, इस मैट्रो शैड के प्रोजैक्ट को एम.वी.ए. सरकार ने ठण्डे बस्ते में डाल दिया था, क्योंकि आरे मिल्क कॉलोनी की भूमि पर शैड बनाने पर पर्यावरण प्रेमियों ने आपत्ति की थी।
- अतः अब नई शिन्दे सरकार आने के बावजूद विलम्बित प्रोजैक्ट्स में असाधारण गति आना संभव नहीं लगता।

अमरावती में उदयपुर जैसी घटना?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जुलाई। गृह मंत्रालय ने अमरावती के कैमिस्ट उमेश प्रहलाद राव कोल्हे की गत 21 जून को हुई हत्या से संबंधित जांच शनिवार को नैशनल इन्वैस्टिगेशन एजेंसी (एन.आई.ए.) के सुपुर्द कर दी।

- गत 21 जून को महाराष्ट्र के अमरावती शहर में हुये इस हत्याकाण्ड की भी जांच एन.आई.ए. को सौंपी गई।

मंत्रालय ने ट्विटर पर कहा कि "महाराष्ट्र के अमरावती शहर में 21 जून को उमेश कोल्हे की हुई नृशंस हत्या के केस की जांच एन.आई.ए. को सौंप दी गई है। हत्या के लिए रचे गए षड्यंत्र, इस हत्याकाण्ड में संगठनों की भूमिका और अन्तर्राष्ट्रीय कड़ियों की गहन जांच की जाएगी।"

सैनफ्रांसिस्को में प्रवासी भारतीयों के सम्मान समारोह में मुख्य न्यायाधीश ने फिर भाजपा की राजनीति पर "हल्ला बोला"

मु.न्यायाधीश रमन्ना ने परोक्ष रूप से भाजपा को संकेत करके कहा, सब को साथ लेकर न चलने की प्रवृत्ति, संकट व आपदा को खुला आमंत्रण है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 2 जुलाई। सत्तारूढ़ भाजपा का नाम लिये बिना, उसकी नीतियों पर सनसनीखेज हमला करते हुये, भारत के मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना ने शनिवार को कहा कि, 21वीं सदी में विघटनकारी, संकीर्ण, असहिष्णु तथा सबको साथ लेकर न चलने (नॉन-इन्क्लूसिव) वाले राजनैतिक तौर-तरीके की कोई गुंजाइश नहीं है।

न्यायमूर्ति रमना, जिनके कार्यकाल के आठ सप्ताह शेष हैं क्योंकि वे 26 अगस्त को सेवानिवृत्त हो जायेंगे, ने ये दो टूक टिप्पणियाँ कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को नगर में एसोसिएशन ऑफ इन्डो अमेरिकन्स द्वारा उनके सम्मान में आयोजित समारोह को संबोधित करते समय कीं।

उन्होंने भारत में घात लगाए बैठे विनाश के सुनिश्चित नुस्खे का जिक्र किया तथा कहा, इसका कारण यह है कि, भारत के लोगों को संविधान तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं के काम करने की सही समझ नहीं है।

- न्यायाधीश रमन्ना ने अमेरिका का उदाहरण देते हुए कहा, अमेरिका समाज में विविधता को पहचानता है और सम्मान करता है, इसीलिये विश्व की सबसे श्रेष्ठ प्रतिभा को आकर्षित करता है और इन प्रतिभाओं का अमेरिका की समृद्धि व सम्पन्नता में भारी योगदान है।
- न्यायाधीश रमन्ना ने कहा, भारत में हर पार्टी, जो सत्ता में होती है, चाहती है, ज्युडिशियरी (न्याय पालिका) उसके हर निर्णय व कृत्य पर अपनी मोहर लगाये।
- उन्होंने कहा, विपक्ष में बैठे राजनीतिक दल चाहते हैं, ज्युडिशियरी उनके एजेण्डा, राजनीतिक सोच व लक्ष्यों को आगे ले जाये।
- "जब ऐसा नहीं होता तब, ज्युडिशियरी, जो अब एक मात्र निष्पक्ष व स्वतंत्र संस्था बची है देश के प्रजातंत्र में, उसको कमजोर करने के भरसक प्रयास होते हैं।"
- देश में इतनी प्रतिद्वन्दात्मक राजनीति है कि, नयी सरकार निवर्तमान सरकार की सभी नीतियों व वादों को तोड़ने-मरोड़ने में लग जाती है।

उन्होंने कहा, "21वीं सदी में, हम तुच्छ, संकीर्ण तथा विभाजनकारी मुद्दों को यह अनुमति नहीं दे सकते कि, वे मानवीय तथा सामाजिक रिश्तों को निर्देशित करें। हमें सभी विघटनकारी बातों से ऊपर उठकर, मानवीय विकास पर ध्यान केन्द्रित करना होगा। सबको साथ लेकर न चलने का तौर-तरीका विनाश को आमंत्रण देता है।"

उन्होंने कहा: "समावेशी सिद्धांत सार्वभौमिक एवं सार्वकालिक है। भारत सहित, दुनिया में हर जगह इसे सम्मान दिये जाने की जरूरत है। समावेशिता से समाज की एकता मजबूत होती है, जो शांति एवं तरक्की की कुंजी है। हमें ऐसे बिन्दुओं पर ध्यान देने की जरूरत है, जो हमें संगठित रख सकें, ना कि उन पर जो हमें बाँटते हैं।"

सी.जे.आई. के इस बयान को शुक्रवार को दो जजों की अवकाशकालीन बैंच की प्रतिक्रिया के संदर्भ में पढ़ा जाना चाहिये। उल्लेखनीय है कि, शुक्रवार को ये दोनों जज निलम्बित भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा पर जबरदस्त बरसे थे तथा उन्हें देश में साम्प्रदायिक उपद्रव पैदा करने का जिम्मेदार माना था तथा साथ ही यह भी कहा था कि, उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई क्योंकि उन्हें सरकार का संरक्षण प्राप्त है।

सी.जे.आई. ने कहा कि, इस समय भारत में केवल विभाजनकारी, संकीर्ण, असहिष्णु तथा गैर-समावेशी बयानों का शासन है। सी.जे.आई. रमना ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करने के संगठित प्रयासों पर दुख व्यक्त किया तथा कहा, "आम जनता में जबरदस्त रूप से पैदा किया जा रहा अज्ञान ही ऐसी ताकतों की सहायता के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधायक दल की बैठक

जयपुर, 2 जुलाई (का.प्र.)। राष्ट्रपति चुनाव को लेकर कांग्रेस समर्थित दल और सरकार का समर्थन करने वाले विधायकों की बैठक 5 जुलाई को जयपुर के होटल क्लार्क आमेर में रखी गई है। बैठक में विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार यशवंत सिन्हा भी मौजूद रहेंगे। बैठक सांय सात बजे होगी।

- प्रदेश कांग्रेस एवं उसके समर्थक विधायक पांच जुलाई को मीटिंग करेंगे।

कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 45 मिनट देरी से शुरू हुई, अभ्यर्थियों में दिखा रोष

परीक्षा में गड़बड़ी रोकने के लिए भेजे गए दो पेपर

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर में शनिवार को 7 केन्द्रों पर पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा का आयोजन किया गया। उच्च स्तर से लेट निर्देश मिले तो कांस्टेबल भर्ती परीक्षा का पेपर 45 मिनट देरी से शुरू हो पाया। ऐसे में अभ्यर्थियों में रोष देखा गया। परीक्षकों ने समझाइश कर उन्हें शांत किया।

प्रदेश में शनिवार को हुई कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के लिए 1 लाख 72 हजार अभ्यर्थी पंजीकृत हुए थे। इनमें से भीलवाड़ा में 3 हजार 576 परीक्षार्थियों को परीक्षा देनी थी। परीक्षा में कुल 2249 परीक्षार्थी ही बैठे। शेष 1327 परीक्षार्थी नदारद रहे। उधर परीक्षा को लेकर कड़ी सुरक्षा वयवस्था की गई थी। सभी परीक्षा केन्द्रों पर पूरी जांच-पड़ताल के बाद ही अभ्यर्थी को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया गया।

भीलवाड़ा के परीक्षा केन्द्र से परीक्षा देकर बाहर आते अभ्यर्थी।

- मुख्यालय से पेपर बांटने के निर्देश मिलने के बाद शुरू हो सकी परीक्षा

राजेंद्र मार्ग स्कूल के प्रधानाचार्य श्याम लाल खटीक के अनुसार परीक्षा का समय सुबह 8 से 10 बजे तक का था। 7 बजे तक परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश दिया गया। इससे पूर्व सुबह 6 बजे से ही परीक्षार्थी कतारों में लग गए। सुबह 8 बजे पेपर शुरू होना था लेकिन इस बार परीक्षा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए दो पेपर भेजे गए थे। कौनसा पेपर बंटना है और कौनसा नहीं, इसके लिए मुख्यालय से निर्देश आने थे और उसके बाद ही पेपर बंटना था। मुख्यालय से 25 मिनट देरी से सुबह 8.25 बजे पेपर के संबंध में निर्देश प्राप्त हुए और सारी प्रक्रिया पूरी करने के बाद परीक्षार्थियों को सुबह 8.45 बजे पेपर दिए गए। हालांकि परीक्षा का समय दो घंटे का था तो ऐसे में सुबह 10.45 बजे तक परीक्षा चली। जिले में संगम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, राउमावि माण्डल, माणिक्यलाल वर्मा राजकीय महाविद्यालय, महिला आश्रम उच्च माध्यमिक विद्यालय, प्रतापनगर विद्यालय, सेठ मुरलीधर मानसिंहका उमावि और राउमावि राजेन्द्र मार्ग को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। परीक्षा के दौरान कार्यपालक मजिस्ट्रेट ने भी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न होने पर सभी ने राहत की सांस ली।

गार्गी अवार्ड के 85 प्रतिशत आवेदन अटके, तिथि बढ़ाई

जनाधार से बैंक खाता लिंक नहीं हो पाने से नहीं हो सके आवेदन

बीकानेर, (कासं)। बालिका शिक्षा फाउंडेशन ने गार्गी पुरस्कार के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि में 31 जुलाई तक बढ़ोतरी की है। पिछले शिक्षा सत्र 2020-21 में पास हुई प्रदेश की 1.51 लाख बालिकाएं गार्गी और बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए पात्र हैं। बालिका शिक्षा फाउंडेशन ने इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया पिछले महीने शुरू कर दी थी। एक माह में केवल 23 हजार बालिकाओं ने ही ऑनलाइन आवेदन किए हैं।

- 31 जुलाई तक बढ़ाई अंतिम तिथि, पात्र 1.51 लाख में से, 23 हजार ही कर सकीं आवेदन

यानी 85 प्रतिशत बालिकाएं अभी भी ऑनलाइन आवेदन से वंचित है। स्थिति को देखते हुए बालिका शिक्षा फाउंडेशन ने शिक्षा सत्र 2021-22 की पात्र छात्राओं के लिए आवेदन की अंतिम तिथि में 31 जुलाई तक की बढ़ोतरी की है। फाउंडेशन की सचिव डॉ. भारती वर्मा ने इस संबंध में सभी डीईओ माध्यमिक को दिशा निर्देश जारी किए हैं। दरअसल, जन आधार की अनिवार्यता के चलते छात्राएं आवेदन नहीं कर पा रही है। अनेक छात्राओं के बैंक अकाउंट जन आधार से लिंक नहीं है। जिस कारण इनके आवेदन नहीं हो पा रहे हैं। पिछले शिक्षा सत्र में गार्गी पुरस्कार के लिए 80 हजार और बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए 71 हजार बालिकाएं पात्र हुई है। गार्गी पुरस्कार के लिए अब तक की 11 हजार और बालिका प्रोत्साहन के लिए 12 हजार छात्राएं ही आवेदन किया है। वहीं शिक्षा सत्र 2019-20 में कक्षा 10वीं की गार्गी पुरस्कार की पात्र 54 हजार बालिकाओं को इस साल गार्गी पुरस्कार की द्वितीय किस्त का भुगतान किया जाना है। इनमें से 25 हजार छात्राएं आवेदन से वंचित है।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आवेदन में आ रही समस्या के समाधान के प्रयास किए जा रहे हैं। यदि बालिका का अकाउंट जनआधार से लिंक नहीं है तो मां के खाते में पुरस्कार की राशि डिपॉजिट करवाने पर विचार मंथन चल रहा है।

डिवाइडर से टकराकर कार पलटी, दो की मौत, 3 घायल

शनिवार सुबह एक ही परिवार के दादी-पौते की मौत

अलवर/ किशनगढ़बास, (निसं)। अलवर के किशनगढ़बास में घासोली गांव के निकट कार डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। जिससे एक ही परिवार के दादी-पौते की मौत हो गई। वहीं इसी परिवार के तीन अन्य लोग गंभीर घायल हो गए हैं। घटना शनिवार सुबह करीब साढे 7 बजे की है।

सड़क हादसे में घायलों का उपचार कराया।

पुलिस ने बताया कि धारूहेडा के निवासी रतिराम अपनी पत्नी प्रेमलता, पौते तुषार व नीतेश के अलावा पौती तन्नू और ड्राइवर नरेश यादव के साथ पांडूपाल दर्शन करने आ रहे थे। धारूहेड़ा से किशनगढ़बास होते हुए पांडूपाल पहुंचना था लेकिन शनिवार सुबह करीब साढे सात बजे किशनगढबास के निकट घासोली गांव के पास उनकी कार डिवाइडर से टकरा कर पलट गई।

63 साल के रतिराम की पत्नी 60 वर्षीय प्रेमलता व उसके 13 साल के पौते तुषार की मौत हो गई। वहीं 8 साल का पौता नीतेश, 16 साल की पौती तन्नू व ड्राइवर नरेश यादव घायल हो गए हैं। जिनका सीएचसी अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि कार रफ्तार में थी। डिवाइडर से टकराने के बाद पलटी खा गई। इस हादसे में दो की मौत और तीन जने घायल हुए हैं।

दो साल बाद डिग्गी में भरेगा कल्याणजी का लक्खी मेला

मालपुरा, (निसं)। विश्व प्रसिद्ध कल्याण जी महाराज की धर्म नगरी डिग्गी में 2 साल बाद कल्याणजी के लक्खी मेले का आयोजन होगा। कल्याण मन्दिर ट्रस्ट सदस्य गिर्राज प्रसाद शर्मा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते व राज्य सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन की पालना करते हुए वर्ष 2020 व 2021 में कल्याणजी का मेला आयोजन रद्द कर दिया गया था।

- कल्याण धणी की लक्खी पदयात्रा तीन अगस्त को जयपुर से रवाना होगी जो सात अगस्त को डिग्गी पहुंचेगी

इस बार राज्य सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन में सभी मेले व यात्राओं के आयोजन की मिली छूट के बाद जयपुर से डिग्गी के लिए आने वाली कल्याण धणी की लक्खी पदयात्रा 3 अगस्त को रवाना होगी तथा 7 अगस्त को डिग्गी पहुंच कल्याणजी के दर्शन कर मन्दिर शिखर पर पदयात्रा का निशान चढाया जाएगा।

अवैध रूप से संचालित होटल पर पुलिस का छापा

अलवर, (निसं)। अलवर के बानसूर कस्बे में शनिवार को पुलिस ने कोटपूतली रोड पर अवैध रूप से संचालित एक होटल पर छापा मारा। मौके पर दो युवक और दो युवतियां संदिग्ध हालत में मिले। पुलिस ने युवतियों को दस्तयाब करने के बाद छोड़ दिया। होटल को सील कर दिया गया है।

- मौके पर दो युवक और दो युवतियां संदिग्ध हालत में मिले

डीएसपी मृत्युंजय ने बताया कि कोटपूतली रोड पर रॉयल राव होटल अवैध रूप से संचालित हो रहा था। यहां 500 रुपए लेकर युवक-युवतियों को प्रवेश दिया जा रहा था। पड़ोसियों की शिकायत थी कि लड़के लडकियां यहां आकर पार्टी व अनैतिक काम करते हैं। शिकायत मिलने पर पुलिस ने छापा मारा, मौके पर दो युवक व दो युवतियां मिली। युवतियों को दस्तयाब करने के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस ने बताया कि होटल से एक बाइक भी बरामद की है। इसका मालिक हंसा गुर्जर है। पुलिस ने उससे भी संपर्क करने का प्रयास किया। अभी वह सामने नहीं आया है। पुलिस अवैध रूप से होटल का संचालन कर युवक-युवतियों से अनैतिक काम कराने के मामले में आवश्यक कार्रवाई करेगी।

मुस्लिम समाज ने ज्ञापन सौंपकर कन्हैयालाल के हत्यारों को सजा देने की मांग रखी

बीदासर, (निसं)। उदयपुर में कन्हैयालाल की नृंशस हत्या के विरोध मे कस्बे के मुस्लिम समाज द्वारा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम का ज्ञापन एसडीएम श्योराम वर्मा को सौंपकर कन्हैयालाल की नृंशस हत्या के कातिलों को सजा दिलाने की मांग की है।

मुस्लिम समाज द्वारा मुख्यमंत्री के नाम के दिये गये ज्ञापन में बीदासर मुस्लिम एवं सर्व समाज ने कृत्य की घोर निंदा की और मुलजिमों को तुरंत प्रभाव से सख्त से सख्त सजा दिलाई जाने की मांग रखी । ज्ञापन देने वालो मे पालिका उपाध्यक्ष मेराज उल हसन छींपा, पूर्व पालिका अध्यक्ष खालिद बल्खी, एडवोकेट मो॰ साहिद बल्खी, भाजपा नेता गुलाम रसूल बल्खी सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित थे।

अलवर शहर में दुकानदारों ने अपनी मर्जी से बंद रखे बाजार

बंद के दौरान मुस्तैद दिखी अलग-अलग थानों की पुलिस

अलवर, (निसं)। उदयपुर हत्याकांड के विरोध में शनिवार को अलवर शहर बंद रहा, एक सुर में व्यापारियों ने बंद का समर्थन किया। जिसका नजारा भी यह रहा कि कहीं कोई दुकान खुली नहीं मिली। कुछेक जगहों पर दो-चार दुकानें खुलने की सूचना मिली तो उनको तुरंत समझाइश कर बंद करा दिया गया।

उदयपुर हत्याकांड के बाद पूरे प्रदेश में पुलिस अलर्ट मोड पर है। अलवर में बंद के दौरान पुलिस भी मुस्तैद दिखी। अलग-अलग जगहों पर पुलिस के थानों की गश्त नजर आई। इसके अलावा पुलिस कंट्रोल रूम से बराबर मॉनिटिरंग होती रही। पुलिस के अधिकारियों को एक-एक खबर मिलती रही ताकि कहीं कोई माहौल बिगडने की तस्वीर सामने नहीं आए।

अलवर बंद के दौरान बाजार सुनसान नजर आए।

अलवर शहर में थोक व रिटेल सब्जीमंडी बंद रही। बाजारों में केवल इमरजेंसी सेवाओं की दुकानें खुली दिखी।। बाजारों में बीजेपी, बजरंग दल के अलावा व्यापारिक संस्थानों के प्रतिनिधि बाजारों में घूमते नजर आए।

आशा सहयोगिनियों को अप्रैल पूर्व का मानदेय नहीं मिल रहा

करौली, (नि.सं.)। महिला बाल विकास और चिकित्सा विभाग के अधीन जिले में कार्यरत आशा सहयोगनियों को अब वेतन के लाले पड़ने लगे हैं।

वर्ष 2022 के बजट घोषणा में सरकार ने आशा सहयोगिनी को महिला बाल विकास विभाग से अप्रैल 2022 से चिकित्सा विभाग के अधीन कर दिया। जिले में कार्यरत हजारों की संख्या में कार्यरत आशाओं का महिला बाल विकास विभाग ने पूरा रिकॉर्ड चिकित्सा विभाग को सुपुर्द कर दिया लेकिन अप्रैल 2022 से पूर्व का कई महीनों का महिला बाल विकास विभाग में आशा सहयोगिनी को मानदेय नहीं दिया। इधर महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सरकार के आदेशानुसार आशाओं का पूरा रिकॉर्ड और उनका बजट चिकित्सा विभाग को सुपुर्द करा दिया गया है। उधर चिकित्सा विभाग के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर दिनेश मीणा से इस मामले में ली गई जानकारी में कहा कि यहां का महिला बाल विकास विभाग आशा सहयोगनियों को गुमराह कर रहा है।

- मार्च 2022 से पूर्व का मानदेय महिला बाल विकास विभाग द्वारा ही दिया जाएगा : सीएमएचओ
- 'आईसीडीएस विभाग ने चिकित्सा विभाग को अभी तक आशाओं का कोई भी बजट और रेकार्ड नहीं दिया है '

सीएमएचओ डॉ. दिनेश मीणा ने कहा कि इस मामले में मेरी स्टेट पर बात हुई जहां से मार्च 2022 के बाद आशाओं का मानदेय चिकित्सा विभाग द्वारा दिया जाएगा और मार्च 2022 से पूर्व का मानदेय महिला बाल विकास विभाग द्वारा ही दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा की आईसीडीएस विभाग ने चिकित्सा विभाग को अभी तक आशाओं का कोई भी बजट नहीं दिया है ना ही कोई रिकॉर्ड दिया है।

जोधपुर संभाग में इन्टरनेट बहाल

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर संभाग में निलम्बित की गई सभी प्रकार की इन्टरनेट सेवाएं शनिवार को प्रात: 6 बजे से पुन: बहाल कर कर दी गई। इस आशय का आदेश संभागीय आयुक्त हिमांशु गुप्ता ने जारी किया है। ऐसा संभाग भर में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति सामान्य होने के कारण किया गया है।

विद्युत पोल के करंट से दो बच्चों की मौत

पाली, (नि.स.)। पाली में रिमझिम बारिश के बीच दो बच्चों की करंट लगने से मौत हो गई पाली के सदर थाना हाईवे के निकट कच्चे रास्ते से बाइक पर अपने घर मानपुरा भाकरी जा रहे दो बच्चों की विद्युत पोल से टकराने के बाद करंट से मौत हो गई । बारिश से मिट्टी गीले होने से बाइक स्लिप हो गई जिसके बाद एक बच्ची साइड में गिरने से बच गई और दो बच्चे सुमन पुत्री नेमाराम 10 वर्ष नरेश गणपत लाल 17 वर्ष मानपुरा भाखरी निवासी विद्युत पोल से चिपक गए। दूसरी बच्ची ने घर जाकर परिजनों को सूचित किया। बांगड़ अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

थाना प्रभारी गिरफ्तारी वारंट से तलब

भीलवाड़ा, (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश (पोक्सो एक) देवेंद्र सिंह नागर ने पूर्व में रायला थाना प्रभारी के पद पर तैनात रहे गजराज चौधरी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। कोर्ट ने सीआई को गिरफ्तारी वारंट से 16 जुलाई को तलब किया है। सीआई गजराज अभी गुलाबपुरा थाना प्रभारी हैं।

न्यायालय सूत्रों के मुताबिक, नाबालिग से रेप के एक मामले में पूर्व रायला थाना प्रभारी गजराज चौधरी की पोक्सो कोर्ट में गवाही होनी है। इसके लिए कोर्ट उक्त गवाह को 18 नवंबर 21 से प्रत्येक तारीख पेशी पर तलब किया जा रहा है। उक्त गवाह की कभी तफ्तीश तो कभी अन्य प्रकरण में जाने, कभी कानून व्यवस्था ड्यूटी में व्यस्त होने से वायरल संदेश व रिपोर्ट प्राप्त हो रही है। कोर्ट ने लिखा है कि गवाह, कौनसी कानून व्यवस्था ड्यूटी में व्यस्त है, इसका उल्लेख नहीं किया जा रहा है। ऐसे में गवाह को गिरफ्तारी वारंट से तलब किया जाये। मुचलका राशि 1000 का 446 सीआरपीसी का नोटिस जारी किया जाये।

न्यायालय सूत्रों के अनुसार, रायला थाने में 14 जनवरी 21 को 154 (3) सीआरपीसी के तहत रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। इस रिपोर्ट में 17 वर्षीय पीड़िता ने 23 वर्षीय कन्हैयालाल कुमावत को आरोपित बनाया था। पीड़िता ने रिपोर्ट में आरोप लगाये कि दो साल पहले वह घर में अकेली थी। आरोपित ने मौका पाकर उसे चाकू दिखाते हुये जबरन उसके साथ बलात्कार किया। मोबाइल से अश्लील फोटो खींच लिए और वीडियो भी बनाई। जान से मारने व बदनाम करने की धमकी दी। आये दिन डरा-धमकाकर रेप करता।

दो माह पहले भी पीड़िता से रेप किया। घर वालों से पीड़िता की सगाई की तो वहां भी आरोपित ने फोन कर डराया-धमकाया। इसके बाद पीड़िता ने आपबीती पिता को बताई। पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। तब गजराज चौधरी, रायला थाना प्रभारी थे। ऐसे में इस मामले में उनकी कोर्ट में गवाही होनी है।

जेईई-मेन 2022: जुलाई आवेदन में करेक्शन का अन्तिम मौका आज

कोटा, (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन के दूसरे अटेम्प्ट के आवेदन का एक और मौका स्टूडेंट्स को दिया गया है स्टूडेंट्स पहले अटेम्प्ट के परिणाम के बाद दूसरे अटेम्प्ट के लिए पुन: आवेदन कर सकते है। दूसरे एटेम्प्ट की परीक्षा 21 से 30 जुलाई के मध्य प्रस्तावित है।

आवेदन में करेक्शन का अंतिम मौका आज-एलन के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि ऐसे स्टूडेंट्स जिन्होंने जून व जुलाई दोनों अटेम्प्ट के लिए आवेदन किया है साथ ही अब जुलाई अटेम्प्ट के आवेदन में अब करेक्शन करना चाहते है वे परेशानी में दिख रहे है क्योकि जुलाई अटेम्प्ट के आवेदन में एनटीए द्वारा करेक्शन का एक अंतिम मौका और दिया गया है परन्तु करेक्शन के दौरान ऐसे विद्यार्थी असमंजस में आ गए है जिन्होंने पहले अपनी केटेगरी सर्टिफिकेट में संशय होने पर जनरल केटेगरी से आवेदन कर दिया था परन्तु अब केटेगरी सर्टिफिकेट तो बनवा लिया है लेकिन अब दूसरे अटेम्प्ट के लिए केटेगरी में बदलाव नहीं कर पा रहे है क्योकि करेक्शन के दौरान स्टूडेंट्स को केटेगरी में बदलाव का मौका नहीं दिया गया है। इसके अतिरिक्त ऐसे स्टूडेंट्स भी परेशानी में है जो अपना परीक्षा केंद्र दूसरे स्टेट के शहरो में लेना चाहते है परन्तु उन्हें दिए गए करेक्शन के विकल्प में भी दूसरे अटेम्प्ट की परीक्षा देने के लिए पहले भरे हुए परमानेंट एड्रेस एवं कॉरपोन्डेंस एड्रेस के आधार पर ही चुने हुए स्टेट के शहरों में परीक्षा देने का ही विकल्प मिल रहा है जिससे वे अपने मनचाहे स्टेट के परीक्षा शहर को नहीं चुन पा रहे है और उन्हें मज़बूरी वश पहले के भरे हुए स्टेट में से परीक्षा शहर को लेना पड रहा है। स्टूडेंट्स आवेदन में करेक्शन 3 जुलाई रात 11 ;50 बजे तक कर सकते है।

- परीक्षा केंद्र के स्टेट बदलने का मौका नहीं

डूंगरपुर शहर में लगभग डेढ घंटे मूसलाधार बारिश

तापमान में 5 डिग्री से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई, लबालब हुआ भीतरी शहर, दिन भर चली बिजली की आंख मिचौनी

शहर में शनिवार सुबह तेज हुई बारिश के बाद बाजार में पानी भर गया।

डूंगरपुर, (निसं)। जिला मुख्यालय पर शनिवार भौर में 4.30 बजे से 6 बजे के लगभग तक तेज बारिश का दौर चला। बारिश से भीतरी शहर की गलियां जहां पानी से लबालब हो गई। अचानक बारिश के इस दौर के कारण सामान्य जन जीवन भौर में ही अस्त व्यस्त हो गया।

तेज वर्षा के दौर के कारण भीतरी शहर के घाटी, फौज का बडला, सर्राफा बाजार, कानेरा पोल, भोईवाडा, मोची बाजार में घुटनो घुटनों तक पानी बहने लगा। अचानक हुई बारिश से समाचार पत्रो के वितरण में भी काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। बारिश के रूकने के बाद आसमान में घनघोर काले बादल छाए रहे। बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया है और तापमान में भी 5 डिग्री से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है।

कोटड़ा में चार इंच से अधिक वर्षा, लेकसिटी में बारिश का दौर जारी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में मानसून की एंट्री के साथ ही जिले में शनिवार को भी बूंदाबांदी का दौर रूक-रूक कर जारी रहा। वहीं जिले में सभी तहसील मुख्यालयों पर तेज से मध्यम वर्षा दर्ज हुई। प्रात: 8 बजे समाप्त बीते 24 घंटों में जिले में सर्वाधिक बारिश कोटड़ा में 119 मिमी (चार इंच से अधिक) रिकॉर्ड की गई। वहीं शहर में आज दिनभर उमस के बीच बादल घूमड़-घूमड़ कर आते रहे लेकिन बारिश का दौर हल्का ही रहा। वहीं गिर्वा में 17 मिमी, बडगांव में 30 मिमी, गोगुन्दा में 9 मिमी, वल्लभनगर में 24, फलासिया-भीण्डर में 3-3, सलूंबर में 26, सराडा में 5, सेमारी में 2, खेरवाडा में 10, क्षषभदेव में 11, झाडोल में 7, कुराबड में 44, कानोड में 6 तथा नयागांव में 11 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

जालोर में झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहावना

जालोर में झमाझम बारिश से सड़कों पर पानी बहता नजर आया।

जालोर, (कासं)। जालोर में शनिवार शाम को झमाझम बारिश से मौसम सुहावना हो गया। शनिवार करीब चार बजे सड़कों पर पानी बहता नजर आया। वही शहर के तिलकद्वार, बडी पोल व लाल पोल से पानी पूरे वेग के साथ बहने से लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर के कई इलाको में पानी भरा नजर आया। शहर के नया बस स्टेण्ड के मुख्य गेट के आस -पास बारिश के पानी की निकासी नही होने से पानी भर गया यात्रियों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। सिवाना में शुक्रवार को अर्ध रात्रि में हल्की बूंदाबांदी हुई। वहीं शनिवार को दोपहर लगभग 1 बजे मौसम का मिजाज बदल गया। कभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश का दौर शुरू हो गया जिसका नन्हे बच्चों ने जमकर लुत्फ उठाया।

अजमेर के बीस केंद्रों पर कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा, एसपी जाट ने लिया जायजा

अजमेर, (कासं)। राजस्थान में 14 मई को रद्द हुई कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा शनिवार को अजमेर में भी आयोजित हुई। परीक्षा को लेकर अजमेर नवनियुक्त एसपी चुनाराम जाट ने सभी परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया। इस मौके पर परीक्षा केंद्रों पर जिला पुलिस की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए।

जिला पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट ने बताया कि राजस्थान के साथ ही अजमेर में भी कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। एसपी जाट ने बताया कि अजमेर जिले में करीब 20 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से 16 अजमेर और 4 किशनगढ़ में है। इसके साथ ही उन्होंने एडिशनल एसपी विकास सांगवान के साथ परीक्षा केंद्रों पर जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और केंद्रों पर मौजूद अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।

परीक्षा केंद्रों पर जिला पुलिस की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए।

- यातायात व्यवस्था को लेकर भी बेहतरीन इंतजाम किए गए

एसपी चुनाराम जाट ने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्वक तरीके से आयोजित हो रही है। सभी परीक्षा केंद्रों पर अधिकारी तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही सभी परीक्षा केंद्रों पर एडिशनल एसपी और पुलिस उप अधीक्षक गस्त करते हुए जायजा ले रहे हैं। जिससे कि परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हो। उन्होंने बताया कि परीक्षा संपन्न होने के बाद यातायात व्यवस्था को लेकर भी बेहतरीन इंतजाम किए गए हैं।

गौरतलब है कि 14 मई को सेकंड पारी में आयोजित हुई कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा का पेपर आउट होने के कारण रद्द कर दिया गया था। एग्जाम कैंसिल के आदेश 17 मई को जारी किए गए थे। राजस्थान कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा की अगली डेट 2 जुलाई को रखी गई थी, जिसके बाद शनिवार को परीक्षा आयोजित हुई।

कोरोना के छह संक्रमित मिले, एक्टिव केस 27

भीलवाडा, (निसं)। भीलवाडा में शनिवार को कोरोना के 3 महिलाओं सहित कुल 6 नए संक्रमित सामने आए हैं। इनमें शहरी क्षेत्र के 2 जबकि गुलाबपुरा के 4 लोग शामिल हैं। एक्टिव केस की बात करें तो उनकी संख्या 27 तक पहुंच चुकी है।

आरआरटी टीम प्रभारी डॉ. घनश्याम चावला ने बताया कि भीलवाडा में कोरोना संक्रमण के केस लगातार सामने आ रहे हैं। शनिवार को जारी आरटीपीसीआर रिपोर्ट में 6 और संक्रमित सामने आए हैं। इनमें सांगानेर का 32 वर्षीय युवक, पुर की 54 वर्षीय महिला के साथ ही गुलाबपुरा की 22 और 30 वर्षीय दो महिलाएं, 26 साल का युवक और 54 साल का प्रौढ शामिल है। डॉ. चावला ने बताया कि सांगानेर में संक्रमित मिले युवक को एमजी अस्पताल में भर्ती किया गया है वहीं शेष पांच संक्रमितों को उपचार देकर होम क्वारंटाइन कर दिया गया है। इन 6 संक्रमितों के बाद भीलवाडा में एक्टिव केस बढ़कर 27 तक पहुंच चुके हैं।

चल प्रदर्शनी एवं बाइक रैली को हरी झंडी दिखाई

अजमेर, (कासं)। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत शुक्रवार को महाप्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे विजय शर्मा ने प्रधान कार्यालय, उत्तर पश्चिम रेलवे से रेलवे रेलवे सुरक्षा बल की उपलब्धियों से सुसज्जित चार पहिया वाहन एवं मोटर साइकिल रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

इस प्रदर्शनी को उत्तर पश्चिम रेलवे के अजमेर मंडल सहित अन्य मंडलों जयपुर, बीकानेर व जोधपुर के प्रमुख स्टेशनों पर प्रदर्शित किया जायेगा। अजमेर मंडल के अंतर्गत 18 स्थानों- मदार, अजमेर,पुष्कर, ब्यावर, भीम, देवगढ़, नाथद्वारा, मावली, देबारी, उदयपुर, पिंडवाड़ा, सरुपगंज, आबूरोड, सिरोही सिटी, सुमेरपुर, फालना, रानी तथा मारवाड़ को शामिल किया गया है । प्रदर्शनी के मार्ग समय सारणी के अनुसार मदार में दिनाँक 3 जुलाई, अजमेर व पुष्कर 4 जुलाई, ब्यावर, भीम, देवगढ़ में 5 जुलाई, नाथद्वारा में 6 जुलाई, मावली, देबारी और उदयपुर में 7 जुलाई, पिंडवाड़ा 8 जुलाई, स्वरूपगंज व आबूरोड 9 जुलाई, सिरोही सिटी 10 जुलाई, सुमेरपुर, फालना तथा रानी में 11 जुलाई और मारवाड़ (12 जुलाई को) होते हुए गुजरेगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इसके तहत रेलवे पर नियमित रूप से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में उत्तर पश्चिम रेलवे के 75 स्टेशनों पर चल प्रदर्शनी का प्रदर्शन किया जा रहा है।

रेलवे तथा रेलवे सुरक्षा बल की उपलब्धियों से सुसज्जित चार पहिया वाहन पर यह चल प्रदर्शनी 32 दिनों में लगभग 3000 किलोमीटर दूरी तय कर 75 स्टेशनों पर आमजन को रेलवे तथा रेलवे सुरक्षा बल की उपलब्धियों से रूबरू करवायेगी। प्रदर्शनी के माध्यम से आमजन की सहभागिता सुनिश्चित कर उनको रेलवे की विकास यात्रा के बारे में जानकारी प्रदान की जायेगी। यह चल प्रदर्शनी प्रधान कार्यालय जयपुर से रवाना होकर दिनांक 02.08.2022 को गांधीनगर जयपुर स्टेशन पर सम्पन्न होगी।

रैली सकल हिन्दू समाज की, मैं समाज का अभिन्न अंग : देवनानी

अजमेर, (कासं)। भाजपा नेता, पूर्व शिक्षा मंत्री एवं वर्तमान अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी ने कांग्रेस नेताओं के बयान पर पलटवार किया है। देवनानी ने कहा अजमेर में विशाल रैली किसी व्यक्तिविशेष की ओर से नहीं बल्कि सकल हिन्दू समाज द्वारा हिन्दू देवी-देवताओं के अपमान करने वालों के खिलाफ आयोजित की गई। हिन्दू समाज का अभिन्न अंग होने के चलते मेरा रैली में शामिल होना दोगले कांग्रेसियों की नजर में गुनाह है तो देवनानी यह गुनाह बार-बार करेगा।

देवनानी ने कहा कि पिछले साढे तीन सालों में प्रदेश में हिन्दू समाज की अनदेखी की जा रही है। कांग्रेस सरकार की शह पर समाज विरोधियों द्वारा योजना से हिन्दू देवी-देवताओं का अपमान एवं धार्मिक रैलियों में व्यवधान का सिलसिला जारी है। करौली, भीलवाडा, जोधपुर सहित दर्जनों जिलों में समाजकंटकों द्वारा शांतिप्रिय हिन्दू समाज पर पत्थरबाजी और आगजनी की वारदातों को अंजाम दिया गया। इससे सम्पूर्ण हिन्दू समाज में समाज विरोधियों

- कांग्रेसी नेताओं के बयान पर देवनानी का पलटवार
- देवनानी की कांग्रेसियों को अपनी गिरेबान में झांकने की नसीहत
- रैलियों का संबंध नुपूर से नहीं, कन्हैया हत्याकांड व बिगड़ती कानून व्यवस्था के खिलाफ

को प्रश्रय देने वाली कांग्रेस सरकार के खिलाफ आक्रोश व्याप्त फूट पडा। अजमेर में आयोजित सकल हिन्दू समाज की रैली भी इसी स्वभाविक आक्रोश का परिणाम थी। कांग्रेस नेताओं ने इस रैली पर सवाल खड़े कर अपनी औछी मानसिकता स्पष्ट कर दी है। अजमेर की रैली उदयपुर की घटना के पहले की है जो स्वप्रेरित हिंदू जागरण की थी। अब जो रैलियों आयोजित की जा रही है उसका संबंध नुपूर से नहीं है बल्कि कन्हैया हत्याकांड व बिगडती कानून व्यवस्था के खिलाफ है।

देवनानी ने कहा कि सकल हिंदू समाज तो तय कर चुका है कि वह अपने देवी देवताओं का अपमान कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे लेकिन अब कांग्रेस को तय करना है कि वह किसके साथ है? भाजपा नेताओं पर दोगलेपन का आरोप लगाने वाले कांग्रेसी इस प्रश्न का जवाब दें।

अपने पर लगे दोगलेपन के आरोप पर बोलते हुए देवनानी ने कहा कि राज्य में पूरी तरह से बिगडी कानून व्यवस्था से प्रदेशवासियों में आक्रोष व्याप्त है। दोगलेपन का आरोप लगाने से पहले कांग्रेसी अपनी गिरेबान में झांके। संतुष्टीकरण की बजाए तुष्टीकरण करने का कांग्रेस का हमेशा से ही इतिहास रहा है। गलत को गलत कहने का साहस कांग्रेसियों में क्यों नहीं है? राजस्थान में कानून और शान्ति व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ी हुई है। राज्य के गृह मंत्री होने के नाते मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इसमें फेल साबित हुए हैं।

धोखे से नकदी वसूली

उदयपुर, (कासं)। कूटरचित दस्तावेज तैयार कर मृतक महिला का बीमा क्लेम की नकदी हड़पने वाले के खिलाफ गोगुन्दा पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार राई मेवाड़ों का मठ बैकरिया निवासी देवाराम पुत्र बाबूराम गरासिया ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि वर्ष 2019 में मेरी पत्नी कुकरीबाई की मौत हो गई थी। जिसके श्रमिक कार्ड के आधार पर दो लाख रूपये का बीमा क्लेम मिला था। अज्ञात व्यक्ति ने मेरी पत्नी की मौत होने के कुछ समय बाद मेरे नाम से यूनियन बैंक गोगुन्दा में खाता खुलवा कर उक्त दो लाख रूपये नकदी निकाल हड़प ली। इसका पता चलन पर पड़ताल की तो अज्ञात व्यक्ति द्वारा धोखाधड़ी करने की जानकारी सामने आई।

मसूदा में मंदिर की मूर्ति तोड़ने पर हिंदू समाज में रोष

मसूदा, (निसं)। मसूदा पंचायत समिति के निकटवर्ती ग्राम पंचायत महिला के ग्राम नागली में मोखा मरवा माताजी मंदिर की मूर्ति तोड़ने पर सकल हिंदू समाज द्वारा आक्रोश जताया गया।

सकल हिंदू समाज ने मसूदा उपखंड अधिकारी संजू मीणा एक ज्ञापन दिया और बताया कि नागली स्थित मौका मरवा माताजी के मंदिर में स्थापित श्रीमुखा मारवा माता की पत्थर की मूर्ति को जिहादी मानसिकता के अज्ञात लोगों ने मूर्ति को थोड़ा जिससे क्षेत्र के समस्त माता जी के भक्तों में

- धार्मिक उन्माद फैलाने वाले को जल्द पकड़े की मांग
- पूर्व में भी ऐसी घटना यहां घट चुकी हैं

आक्रोश व्याप्त हो गया। पूर्व में भी इसी मूर्ति को तोड़ा गया था जिसकी पुन: प्राण प्रतिष्ठा कराई गई जिससे क्षेत्र में सौहार्द व शांति व्यवस्था बनी रही।

कुछ माह पूर्व भी इसी मंदिर परिक्षेत्र में शव दफनाया गया जिस पर क्षेत्र में हजारों हिंदू भक्तों ने जबरदस्त आंदोलन किया। संपूर्ण मसूदा क्षेत्र अभूतपूर्व बन रहा है, संपूर्ण क्षेत्र छावनी बना रहा जिस पर जिला प्रशासन द्वारा मंदिर परी क्षेत्र की 10 बीघा से अधिक भूमि माताजी हेतु गौशाला के नाम आरक्षित की गई सकल हिंदू समाज के व्यक्तियों ने मीणा को बताया कि बार-बार इस मंदिर में धार्मिक उन्माद फैलाकर क्षेत्र की शांति भंग कराने का षड्यंत्र फैलाया जा रहा है।

इससे समस्त सकल हिंदू समाज एवं माता जी के हजारों भक्तों में भयंकर आक्रोश है और कहा कि इससे पहले कि क्षेत्र में अशांति एवं अप्रिय घटना घटे प्रशासन से समस्त क्षेत्र के सल हिंदू समाज की ओर से आग्रह है कि 3 दिन में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा प्रशासन करवाएं क्योंकि कुछ दिनों बाद ही देवता 4 मास हेतु सो रहे हैं कोई शुभ मुहूर्त नहीं है 3 दिन में प्रशासन मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कराने के साथ ही शीघ्र से शीघ्र 5 से 7 दिन में असामाजिक तत्वों को पकड़कर कठोर कानूनी कार्यवाही करें ताकि क्षेत्र में शांति भाई प्रेम चारा बना रहे। उपरोक्त न्यायोचित कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में अशांति की व्यवस्था में प्रशासन जिम्मेदार रहेगा।

कांग्रेसियों ने अनिता भदेल के बयानों की निंदा की

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के वर्तमान अध्यक्ष विजय जैन, पूर्व विधायक डॉ राजकुमार जयपाल, कुलदीप कपूर, फकरे मोइन, शिव कुमार बंसल, अशोक बिंदल, महेश चौहान, श्याम प्रजापति ने अजमेर दक्षिण की भाजपा विधायक अनिता भदेल के बयानों की कड़े शब्दों में निंदा की है।

अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान महासचिव शिव कुमार बंसल ने प्रेस वक्तव्य जारी कर बताया कि उदयपुर घटनाक्रम में कन्हैया लाल के हत्यारे रियाज के नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया एवं भाजपा नेताओं के साथ फोटो वायरल हो रही है और भारतीय जनता पार्टी का घिनौना चेहरा आम जनता के सामने आ गया है।

उन्होंने बताया कि हत्यारे रियाज का भाजपा नेताओं के साथ फोटो वायरल होने के बाद भाजपा की अजमेर दक्षिण की विधायक अनिता भदेल राजस्थान सरकार पर तुष्टीकरण का आरोप लगाते हुए हत्यारे रियाज का कांग्रेस से सम्बन्ध जोड़कर झूठा आरोप लगाया है।

कांग्रेसियों ने बताया कि विधायक अनिता भदेल ने हत्यारे रियाज पर बयान जारी कर शंका और संशय प्रकट किया है कि हत्यारा कांग्रेसी का रिश्तेदार होने

- उदयपुर घटनाक्रम में भाजपा की घिनौनी साजिश आई सामने
- कांग्रेसियों ने भारतीय जनता पार्टी पर उदयपुर घटनाक्रम को लेकर राजनीतिक रोटियां सेकने का आरोप लगाया

के कारण संभवत न्याय नहीं होगा। जबकि संपूर्ण प्रकरण की जांच केंद्र सरकार की एजेंसी एनआईए कर रही है एवं राजस्थान सरकार जांच में पूर्ण सहयोग कर रही है। भाजपा विधायक अनिता भदेल को केंद्र सरकार की जांच एजेंसी एनआईए पर भी शंका और संशय है। विधायक भदेल द्वारा संवैधानिक पद पर बैठकर गैर जिम्मेदाराना बयान देना पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है, यह उन्हें शोभा नहीं देता है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने बयानों में स्पष्ट कर दिया है कि हत्यारा किसी भी धर्म जाति संप्रदाय का हो एवं कितना ही बड़ा आदमी हो बख्शा नहीं जाएगा। लेकिन भाजपा की कलाई खुलने के बाद उल्टा चोर कोतवाल को डांट रहा है। विधायक अनिता भदेल सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए अनर्गल बयानबाजी कर आम जनता को गुमराह कर रही है। कांठोसियों ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी उदयपुर घटनाक्रम पर राजनीतिक रोटियां सेक रही है। अभी हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने नूपुर शर्मा पर संप्रदाय विशेष के खिलाफ टिप्पणी करने पर कड़ी फटकार लगाई है कांठोसियों ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर संपूर्ण मामले में हस्तक्षेप कर नूपुर शर्मा के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर देश एवं प्रदेश में बढ़ रहे सांप्रदायिक तनाव एवं उन्माद पर लगाम लगाने की एवं नूपुर शर्मा को गिरफ्तार करने की मांग की है।

साधु संत राजनीति से प्रेरित होकर कार्य नहीं करें : राठौड़

अजमेर, (कासं)। राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष राज्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता धर्मेंद्र राठौड़ ने साधु संतों से आग्रह किया है कि राजनीति से प्रेरित होकर कार्य नहीं करें। निगम अध्यक्ष राठौड ने एक प्रेस वक्तव्य जारी कर कहा कि उदयपुर घटनाक्रम पर कुछ राजनीतिक दल एवं हिंदूवादी संगठन साधु संतों की आड़ में राजनीतिक रोटियां सेक रहे हैं जो कि अनुचित है। उन्होंने कहा कि उदयपुर घटनाक्रम में दोषियों को गिरफ्तार किया जा चुका है एवं कानूनी कार्रवाई की जा रही है ऐसी स्थिति में प्रदेश में शांति बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि उदयपुर घटनाक्रम के आड़ में कुछ राजनीतिक दल एवं हिंदूवादी संगठन प्रदेश में धार्मिक उन्माद एवं तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहे है, जिसमें वह कभी सफल नहीं होंगे। उन्होंने साधु-संतों से आग्रह किया कि देश में प्रदेश में शांति भाईचारा एवं सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें एवं धारा 144 का पालन करें।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार राजेन्द्र प्रसाद पुत्र स्व. श्री भंवरलाल, आयु 66 वर्ष, जाति कोली, निवासी- 1011/42, आर्यन सीनियर स्कूल के पीछे, पीपल का कुआं, धोलाभाटा, अजमेर का रहने वाला हूं मेरा पुत्र अरविंद कुमार व उसकी पत्नी वंदना का काफी समय से मेरे व मेरे परिवार से कोई संबंध नहीं है जिस कारण मैं अपनी चल व अचल सम्पत्ति से इनको बेदखल करता हूं। यदि कोई इनसे संव्यवहार करता है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी उस व्यक्ति की स्वयं की होगी। इनसे मेरा कोई लेना देना नहीं है।

अजमेर- दिनांक- 2/7/22 -प्रवीण कुमार, एडवोकेट

झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर नकदी वसूली

उदयपुर, (कासं)। झांसे में लेकर शारीरिक संबंध बना पीड़ित को झूठे कैस में फंसाने की धमकी देकर नकदी वसूलने वाली महिला के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार टेक्सी चालक पीड़ित प्रदीप सैन पुत्र धमेन्द्र सेन ने आरोपी महिला के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि मैं टेक्सी चालक हूं तथा मेरे मकान के पीछे गली में आरोपी रहती है।

करीब तीन माह पूर्व फोन कर मुझे बुलाया तथा उसके कहने पर मैं एक मरीज को चिकित्सालय ले गया था। इस दौरान उसने स्वयं को डाक्टर होना बताया तथा मरीजों को ले जाने के लिए कार की आवश्यकता होने की बात कहते हुए मेरे मोबाईल नंबर लिए। उसके बाद से मेरे से मोबाईल पर बातचीत करना शुरू कर दिया। एक माह पूर्व कार बुक करवा कर मुझे अहमदाबाद विशनगर ले गई।

जहां उसने स्वयं के कपड़े उतार कर शारीरिक संबंध बनाने को कहा तथा ऐसा नहीं करने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। शारीरिक संबंध बनाने के बाद से वह फोन कर मुझे बुलाती एवं शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर करती रही। गत दिनों उसने मुझसे 4 लाख एवं 10 लाख रूपए की मांग करना शुरू कर दिया तथा ऐसा नहीं करने पर झूठे मुकदमें में फंसाने की धमकी दी। आरोपी महिला मुझसे गत 4 मई से 29 जुलाई 22 तक 33 हजार 500 रूपये वसूल चुकी है और धमकी देकर और रूपयों की मांग कर रही है। मामले की जांच एएसआई शंकरलाल कर रहे है।

मारपीट कर नकदी छीनी

उदयपुर, (कासं)। प्रतापनगर थाना पुलिस ने आरोपी व उसके भाई व अन्य के खिलाफ पीड़ित के साथ मारपीट कर नकदी व मोबाईल छीन ले जाने मामला दर्ज किया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित कपड़ा व्यवसायी बालिका स्कूल के सामने सुथारों का मोहल्ला कुराबड़ हॉल ट्रांसपोर्ट नगर के पीछे प्रतापनगर निवासी भावेश पुत्र देवीलाल खटीक ने आरोपी भरतसिंह व उसके भाई तथा अन्य के खिलाफ मारपीट कर पन्द्रह हजार रूपये नकदी व मोबाईल छीन ले जाने का मामला दर्ज करवाया। जिसमें पीड़ित ने बताया कि मैं रेडिमेड कपड़े बेचने का कारोबार करता हूं। 30 जून को मैं कपड़े लेने अहमादाबाद जाने के लिए बस की इंतजार कर रहा था इसी दौरान वहां आए भरत सिंह ने आज नहीं कल साथ में चलने की बात कहते हुए अपने घर ले गया। जहां रात में आरोपी व उसके साथियों ने मेरे साथ मारपीट की तथा जेब से 15 हजार रूपये नकदी छीन ली।

महाराणा प्रताप मंडल कार्यसमिति की बैठक

ब्यावर, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी महाराणा प्रताप मंडल कार्यसमिति की बैठक प्रभु की बगिया में मंडल अध्यक्ष नरेश मित्तल की अध्यक्षता और जिला महामंत्री पवन जैन के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुई। मण्डल महामंत्री सन्तोष जाग्रत ने बताया कि जिला महामंत्री पवन जैन ने मोदी सरकार के आठ वर्ष बेमिसाल सरकार की विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मंडल महामंत्री सत्येन्द्र यादव ने राजनैतिक प्रस्ताव पढकर बैठक में सर्वसम्मति से पारित करवाया। मण्डल अध्यक्ष नरेश मित्तल ने अपने उद्बोधन में संगठन के पिछले कार्यक्रमों की समीक्षा की एवं आगामी कार्यक्रम की जानकारी दी। बैठक में अनुसूचित जाति मोर्चा देहात जिला महामंत्री पार्षद रवि चोहान, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष राजेश्वरी यादव, उपाध्यक्ष राकेश नरूका, बुदराज शर्मा, नाथू पारिक, मंत्री बृजकिशोर शर्मा, प्रकाश माली, महेश चितलागिया, महिला मोर्चा अध्यक्ष तारा सोनी, मंजु गहलोत, गायत्री साहु, पार्षद सुनीता भाटी, पार्षद मुन्नी देवी गहलोत, सपना शर्मा, शिखा गुप्ता, युवा मोर्चा अध्यक्ष दीपक चोहान, ओ बी सी मोर्चा अध्यक्ष दिलीप दगदी, अनिल जांगिड़, दिपक दगदी, रामेश्वर गहलोत, पप्पू यादव, रमेश अठावाल, मनमोहन शर्मा, पार्षद हरीश सांखला, हेमसिंह रावत, पीयुष चौहान, अंकुर मित्तल, अभिषेक कुमावत, मनिक मोदी, मनीष बंसल, मनन गहलोत, रणबीर सिंह, ललित जीनगर, चन्द्रशेखर सोनी, हितेश सोनी, लाला दगदी आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक : न.नि.अ./एमबी/22-23/793 दिनांक : 30-06-2022

आपत्ति सूचना

श्रीमती अंजू देवी देरासरी पत्नी श्री देवनारायण देरासरी एवं श्रीमती रितु गोपा पत्नी श्री योगेश गोपा, निवासीगण के-4, आनासागर शिव मंदिर के सामने, कृष्णगंज क्रिश्चियनगंज, अजमेर द्वारा एक सम्पति भूखण्ड दुकान के-4, आनासागर शिव मंदिर के सामने, कृष्णगंज क्रिश्चियनगंज, अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 89.12 व.मी. है, भूमि के आवासीय से व्यावसायिक वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार हैं:-

पूर्व में: सुनील दत्त रंगा की सम्पति — पश्चिम में: आनासागर सरक्यूलर रोड
उत्तर में: ब्रह्मदत वैष्णव की सम्पति — दक्षिण में: 30 फीट रोड

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नही किया जाएगा। उपायुक्त, नगर निगम, अजमेर

कार्यालय ग्राम पंचायत फतेहगढ़

क्रमांक- ग्रा.पं./फतेहगढ़/निविदा/2022-23/02 दिनांक 01.07.2022

ई-निविदा सूचना 31/ 2022-23

ग्राम पंचायत फतेहगढ़ के वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की समस्त योजनाओं मनरेगा सहित निर्माण कार्यों की सामग्री क्रय किए जाने हेतु दिनांक 07-07-2022 को सायं 6.00 बजे तक ऑनलाईन ई निविदा आमंत्रित की जाती है। बोली के नियम व शर्तें एवं विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी डाउनलोड व अपलोड की जा सकती है।

UBN No: PKN2223GLRC00031
Tender ID_ 2022_PRD_283644_1

सरपंच — ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत फतेहगढ़ — ग्राम पंचायत फतेहगढ़

मुख्यमंत्री बजट घोषणा में बनी सड़कों व रोड डिवाइडर में लीपापोती

पुष्कर, (निसं)। मुख्यमंत्री बजट घोषणा में लीपापोती की स्तरहीन सड़के और रोड डिवाइडर, 2.71करोड़ रुपयों की बर्बादी और भ्रष्टाचार पर सामाजिक कार्यकर्ता अरुण पाराशर ने कलेक्टर को ज्ञापन भेजा।

पाराशर ने बताया की मुख्यमंत्री बजट घोषणा में स्वीकृत करोड़ों रुपए की लागत से महत्वपूर्ण सड़कों अजमेर चुंगी नाके से नवखंडी तिराह व नवखंडी तिराहे से जयपुर बाईपास तिराहे तक एवं नवखंडी तिराहे से नए रंग जी मंदिर, मारवाड़ बस स्टैंड से वीआईपी रोड होलिका चौक तक का निर्माण किया जा रहा है। कार्य एजेंसी सार्वजनिक निर्माण विभाग के इंजीनियरों की ठेकेदारों और जनप्रतिनिधियों की साठगांठ के चलते सभी स्वीकृत सड़कों का चाहे वह सी सी रोड हो या डामर की सड़के सभी स्तरहीन और गुणवत्ता विहीन लचर तरीके व बेकार निर्माण सामग्रियों का प्रयोग कर आम जन की आंखों में धूल झोंक कर केवल लीपापोती कर बनाई जा रही है।

ठेकेदार रात के अंधेरे में बिना खोदे, मिट्टी हटाएं एक डेढ़ इंच का युद्धस्तर पर डामर कंक्रीट का मसाला बिछाकर काम की इति श्री कर रहा है। यही हालत रोड डिवाइडर निर्माण में हो रहा है। सीधे सपाट आकृति में बनाएं जा रहे है जिसकी नींव का भी अता पता नहीं है, मामूली टक्कर में बिखर जायेंगे, इससे तो अच्छे पहले जो सीमेंट ब्लॉक से बने हुए थे वे ही रहने देते वे ज्यादा मजबूत थे। डिवाइडर की क्वालिटी और स्तर जयपुर रोड और रीजनल कॉलेज, मित्तल हॉस्पिटल के सामने बने है उसकी देखे जिसमे नीचे से मोटाई लेकर ऊपर तक टेपर दिया गया है। देखने में ही सुंदर और मजबूत लगते है।

सड़कों और डिवाइडर के निर्माण में की जा रही लापरवाही और भ्रष्टाचार की पोल आने वाले मानसून की एक दो बरसात में ही खुल जायेगी। गुरुद्वारे के सामने बरसाती पानी भरता है तो वीआईपी रोड पर बरसाती पानी बहकर आने का रास्ता है इन दोनों जगह ही पानी का जमाव व बहाव डामर की सड़क को चंद दिनों में ही उखाड़ देगा। यहां सी सी रोड बनानी चाहिए थी,

- 2.71करोड़ की बर्बादी और भ्रष्टाचार पर सामाजिक कार्यकर्ता ने कलेक्टर को ज्ञापन भेजा

लेकिन अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों की अदूरदर्शीता एवं पुष्कर तीर्थ के प्रति उपेक्षा, बेरुखी का नतीजा यह हो रहा है कि जनता के टैक्स का पैसा पुष्कर तीर्थ विकास के नाम पर पानी में बहकर, बर्बाद कर भ्रष्टाचार से अधिकारी, ठेकेदार, ओर जन प्रतिनिधि अपनी जेबें भर रहे है। सड़के और डिवाइडर निर्माण कार्यों की निष्पक्ष एजेंसी से जांच करवाई जाएं तथा इस कार्य में काम लिए जा रहे मटेरियल की प्रयोग शाला में गुणवत्ता की जांच करवाई जाएं। तब तक निर्माण ठेकेदारों का किए जा रहे निर्माण कार्य व भुगतान पर रोक लगाई जावे। व जांच में दोषी के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही की जावे।

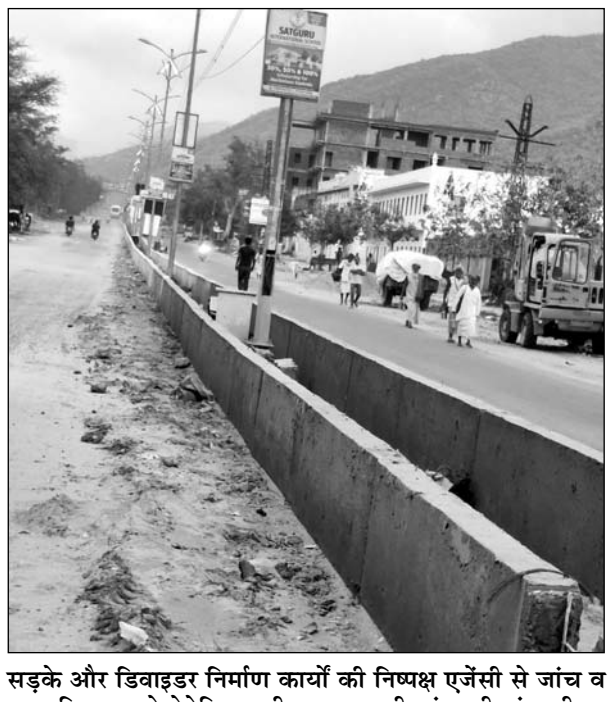

सड़के और डिवाइडर निर्माण कार्यों की निष्पक्ष एजेंसी से जांच व काम लिए जा रहे मेटेरियल की गुणवत्ता की जांच की मांग की।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन उत्तर अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कमांक: LU2012/2022-23/100699 दिनांक: 30/06/2022

लोक सूचना

श्री SHRI RAKESH DEEDWANIA पुत्र श्री SHRI KISHAN PRAKASH DEEDWANIA जाति AGARWAL निवासी K-20, ANASAGAR CIRCULAR ROAD CHRISTIAN GANJ, NEAR SHIV MANDIR AJMER. श्री SMT. MEENU DEEDWANIA पत्नी श्री SHRI RAKESH DEEDWANIA जाति AGARWAL निवासी K-20, ANASAGAR CIRCULAR ROAD CHRISTIAN GANJ, NEAR SHIV MANDIR AJMER. ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अधिधृति अधिकारी के निर्यापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	माकड़वाली अजमेर (अजमेर)	SHRI RAKESH DEEDWANIA, SMT. MEENU DEEDWANIA	1740/3961	800	0.08
2.	माकड़वाली अजमेर (अजमेर)	SHRI RAKESH DEEDWANIA, SMT. MEENU DEEDWANIA	1751	1900	0.19
3.	माकड़वाली अजमेर (अजमेर)	SHRI RAKESH DEEDWANIA, SMT. MEENU DEEDWANIA	1739/3960	400	0.04
4.	माकड़वाली अजमेर (अजमेर)	SHRI RAKESH DEEDWANIA, SMT. MEENU DEEDWANIA	1741/3962	400	0.04
5.	माकड़वाली अजमेर (अजमेर)	SHRI RAKESH DEEDWANIA, SMT. MEENU DEEDWANIA	1752	10900	1.09
6.	माकड़वाली अजमेर (अजमेर)	SHRI RAKESH DEEDWANIA, SMT. MEENU DEEDWANIA	1753	7900	0.79
				कुल	2.23

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्यापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 30-06-2022 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी जोन उत्तर अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

संक्षिप्त

अनिरुद्ध सिंह जोधा संयोजक

अजमेर, (कासं)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद चित्तौड़ प्रांत का चार दिवसीय प्रांत अभ्यास वर्ग 27 से 30 जून बारा में संपन्न हुआ। जिसमे राष्ट्रीय

सह संगठन मंत्री प्रफुल अकान्त एवं उत्तर पश्चिम क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय ठाकुर का प्रवास रहा। इस बैठक में अभाविप वैचारिक 75 वर्ष, सिद्धांत की भूमिका कार्यपद्धती, परिसर कार्य, आजादी के 75 वर्ष, सक्षम इकाई कार्यकर्ता व्यवहार एवं विकास तथा आखरी में समारोह एवं घोषणाएं रही। इस बैठक में प्रान्त मंत्री गुंजन झाला एवं प्रान्त उपाध्यक्ष पियूष भदविया ने आगामी सत्र 2022-23 के लिए सभी 7 विभागों एवं जिलों के संयोजकों की नियुक्ति की गई। अजमेर विभाग संयोजक के रूप में कार्यकुशलता को देखते हुए संगठन ने तीसरी बार सरवाड़ के निकटवर्ती ग्राम गोयला से अनिरुद्ध सिंह जोधा को पुन: विभाग सांयोजक नियुक्त किया गया। जोधा पूर्व में अजमेर महानगर के महानगर मंत्री चित्तौड़ प्रांत के प्रांत कार्यसमिति सदस्य रह चुके हैं।

डॉ विकास चौधरी ने मनाया जन्मदिन

मदनगंज-किशनगढ, (निस)। भाजपा युवा नेता डॉ विकास चौधरी ने वर्तमान परिस्थिति को देख सुबह मंदिर में दर्शन कर सादगी से जन्मदिन मनाया। उन्होंने अपने आवास पर सैकडों समर्थकों की मौजूदगी में उदयपुर में हुई आतंकी घटना में शहीद कन्हैया लाल साहू को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भाजपा नेता चौधरी ने गौशाला में गौमाता को चारा खिलाया और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आव्हान किया। उदयपुर में घटित हत्याकांड को लेकर फूल माला, साफा, केक की सख्त मनाई रही। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव सहित भाजपा नेताओं ने जन्मदिन पर बधाई दी। आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी कार्यकर्त्ताओं ने उल्लास के साथ जन्म दिवस मनाया। संचालन एडवोकेट दिनेश जाट ने किया।

निःशुल्क ट्री गार्ड उपलब्ध कराएं

भीलवाडा, (निसं)। भारतीय सांस्कृतिक निधि इंटेक के संयोजक बाबूलाल जाजू ने नगर विकास न्यास अध्यक्ष व जिला कलेक्टर आशीष मोदी व सचिव अजय आर्य से 5000 ट्री गार्ड व भीलवाडा नगर परिषद सभापति राकेश पाठक व आयुक्त दुर्गा कुमारी को पत्र लिखकर 5000 ट्री गार्ड बनाने की अपील करते हुए इन्हें शहरवासियों को आवासग्रहों के बाहर व सार्वजनिक व धार्मिक स्थलों, विद्यालयों में हरियाली बढाने व पौधों की सुरक्षा हेतु निशुल्क ट्री गार्ड उपलब्ध कराने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि भीलवाडा औद्योगिक नगरी होने से यहां प्रदूषण की समस्या गंभीर है। ऐसे में यहां पौधे लगाने की अधिक आवश्यकता है।

न्यायालय और थाने का निरीक्षण

नसीराबाद, (निसं)। अजमेर जिला न्यायधीश मदन लाल भाटी ने शनिवार को नसीराबाद न्यायालय परिसर सहित सिटी थाने का औचक निरीक्षण किया। वही नसीराबाद बार एसोसिएशन के पदाधिकारी और सदस्यों और न्यायीक अधिकारी मदनलाल सहारण सीमा संधू के साथ बैठक लेकर अधिवक्ताओं की समस्याएं जानी और उनका निस्तारण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को तुरंत निर्देशित किया। वही सिटी थाना में थानाधिकारी कल्पना राठौड़ द्वारा सिटी थाने की बैरक सहित स्वागत कक्ष का निरीक्षण करवाया गया। जिस पर न्यायधीश द्वारा व्यवस्थाओं पर संतोष जाहिर किया।

90 परिवारों को राशन सामग्री बांटी

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर फाउंडेशन की लोटो की ओर से 90 परिवारों को राशन सामग्री निशुल्क वितरित की। लोटो के अध्यक्ष दीपू महर्षि ने बताया कि गरीब परिवारों को 1 महीने का राशन नि:शुल्क वितरित किया गया, जिसमें आटा तेल मिर्ची, दाल, नमक, शक्कर, चावल, हल्दी, मिर्ची सहित अन्य सामग्री शामिल है। यह सामग्री पुष्कर नगरपालिका के उपाध्यक्ष शिव स्वरूप महर्षि ने वितरित की।

करंट लगने से महिला की मौत

नसीराबाद, (निसं)। ग्राम बाघसूरी में शनिवार को खेत में काम करने के दौरान करंट लगने से ग्राम बाघसूरी निवासी मंद राज पत्नी सुरेंद्र जाट की मृत्यु हो गई। जिस पर ग्रामीणों ने मृतका के शव को नसीराबाद हॉस्पिटल पहुंचाया जिसका रविवार को पोस्टमार्टम किया जाएगा।

उदयपुर में कन्हैयालाल की नृशंस हत्या के विरोध में मसूदा बंद सफल रहा

मसुदा, (निसं)। उदयपुर में कन्हैया लाल की नृशंस हत्या के विरोध में शनिवार को सकल हिन्दू समाज के आव्हान पर स्वैच्छिक मसूदा बंद पूर्ण तथा सफल रहा। मुख्य बाजार सहित अन्य बाजार पूर्णता बंद रहे।

बंद के समर्थन पर रैली के रूप में निकले राव सर्कल पर विभिन्न संगठन एकत्रित हुए। यहां से उपखंड कार्यालय पैदल मार्च निकालकर ज्ञापन उपखंड अधिकारी को सौंपा इसमें कन्हैया लाल की नृशंस हत्या के आरोपियों को फांसी दिए जाने की मांग की। बंद को कस्बे के विभिन्न सामाजिक राजनीतिक और निजी संगठनों ने अपना समर्थन दिया। मसूदा राव सरकार पर जमा हुए लोगों ने इस हत्याकांड के खिलाफ प्रदर्शन कर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया। ज्ञापन के दौरान हत्यारों को फांसी की मांग की।

बंद के दौरान पुलिस ने लगातार गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। राव सर्कल अजमेरी गेट रामगढ़ चौराहा सूरजपोल गेट आदि स्थानों पर भी अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात रहा। हत्या के विरोध में सर्व हिंदू समाज शनिवार को एक विरोध जुलूस निकाला गया। लोग हत्यारों को फांसी देने की मांग कर नारेबाजी लगाते हुए चल रहे थे हालांकि बंद में सभी आवश्यक सेवाओं को मुक्त रखा गया लेकिन बंद के दौरान व्यापारियों का पूर्ण रुप से समर्थन मिला। कन्हैयालाल को पुष्पांजलि अर्पित कर आत्मा की शांति की कामना की और वक्ताओं ने हत्यारों को कड़ी सजा दिलाने की मांग की। इसके बाद सकल हिंदू समाज मसूदा द्वारा उपखंड अधिकारी संजू मीणा को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के दौरान सकल हिंदू समाज व विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

उदयपुर में कन्हैया लाल की हत्या के विरोध में बंद के दौरान मसूदा के बाजार सूने रहे।

- सतर्क रहा पुलिस प्रशासन, तैनात रहा अतिरिक्त पुलिस जाप्ता
- सकल हिंदू समाज मसूदा द्वारा एसडीएम को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा

लायंस क्लब इंटरनेशनल के प्रांत 3233 ई 2 के अवार्ड सेरेमनी समारोह अलंकरण उदयपुर के मेवाड़ पैलेस गार्डन के सभागार में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रान्तपाल लायन संजय भंडारी ने लायंस क्लब अजमेर पृथ्वीराज के लायन राजेन्द्र गांधी एवं आभा गांधी को वर्ष भर अपने अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर डिस्ट्रिक्ट अवार्ड देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि इंटरनेशनल डायरेक्टर लायन वी के लाडिया एवम प्रान्त की प्रथम महिला लायन लता भंडारी भी उपस्थित थे। लायन राजेन्द्र गांधी को प्रान्तीय पीआरओ के रूप में लायंस के छवि निर्माण में श्रेष्ठ कार्य करने पर डिस्ट्रिक्ट अवार्ड प्रदान किया गया। इसी तरह लायन आभा गांधी को संभाग 2 की क्षेत्रीय अध्यक्ष के रूप में उल्लेखनीय योगदान के लिए डिस्ट्रिक्ट अवार्ड प्रदान किया गया। क्लब पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने इस उपलब्धि के लिए गांधी दंपति को बधाई एवम शुभकामनाएं दी।

थाने से फरार डिटेनशुदा युवक, मामला दर्ज

भीलवाडा, (निसं)। प्रताप नगर पुलिस की बडी लापरवाही का मामला सामने आने के बाद अब पुलिस ने मामले में उधार में कपडा खरीदकर भीलवाडा के दो व्यापारियों से करीब 1 करोड 33 लाख रुपये की धोखाधडी करने वाले डिटेनशुदा हर्ष गर्ग के खिलाफ थाने से भागने को लेकर भी केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार एएसआई राधाकृष्ण ने थाने में रिपोर्ट देकर बताया कि 20 जून 22 को नवकारग्रीन पार्श्वनाथ सोसायटी के संजयकुमार जैन और पुराना बापुनगर निवासी कमलेश गोखरु ने दो अलग-अलग रिपोर्ट हर्ष गर्ग व विनोद गर्ग आदि के खिलाफ दी जिसमें क्रमश: 92 लाख 53 हजार 858 और 40 लाख 67 हजार 847 रुपये का उधार में कपडा प्राप्त करने व तकाजा करने पर बहानेबाजी कर भुगतान नहीं करने का आरोप लगाया था। दोनों ही मामले दर्ज कर लिये गये। इसकी जांच एएसआई राधाकृष्ण कर रहे थे। रिपोर्ट में नामजद आरोपितों ने खुद को दिल्ली का व्यापारी बताया था। एएसआई ने आरोपित के बैंक खाते को प्रार्थना पत्र देकर फ्रिज कराया। इसके बाद एएसआई राधाकृष्ण 25 जून को दिल्ली गये। 26 जून को दिल्ली पहुंच आरोपितों की तलाश की। लोकेशन के आधार पर पुलिस गाजियाबाद के नंदीग्राम थाना इलाके में मकान पर पहुंची, जहां हर्ष मिल गया। पुलिस मामले में पूछताछ व अनुसंधान के लिए यहां ले आई। 28 जून को सुबह 4.15 बजे संतरी मगाराम को डिटेनशुदा हर्ष गर्ग को सुपुर्द किया गया। यह डिटेनशुदा आरोपित हर्ष उसी दिन कुछ देर बाद ही थाने से पुलिस हिरासत से फरार हो गया। इसे लेकर एएसआई राधाकृष्ण की रिपोर्ट पर हर्ष के खिलाफ पुलिस हिरासत से फरार होने का मामला दर्ज कर लिया गया।

भाजपा शहर मंडल सरवाड़ कार्यसमिति की बैठक आज

सरवाड़, (निसं)। प्रदेश नेतृत्व व अजमेर जिला देहात अध्यक्ष देवीशंकर भूतड़ा के निर्देशानुसार भाजपा शहर मंडल सरवाड़ कार्यसमिति की बैठक रविवार को शाम 4 बजे भीमेश्वर महादेव मंदिर में मण्डल अध्यक्ष प्यारे लाल खटीक की अध्यक्षता व मण्डल प्रभारी सुभाष वर्मा व जिला महामंत्री रायचंद बागड़ी के निर्देशन में सम्पन्न होगी। शहर महामन्त्री कुशल किशोर सोनी के अनुसार इस बैठक में संगठन से संबंधित सभी विषयों पर चर्चा होगी और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई जाएगी व पन्ना प्रमुख से संबंधित शेष कार्य को पूर्ण किया जाएगा।

यशश्वी प्रधानमंत्री के 8 वर्ष के कालखंड की उपलब्धियों पर चर्चा, प्रस्ताव व उनका अभिनंदन किया जाएगा। पार्टी के सभी कार्यक्रमों को बूथ स्तर पर पहुंचाने व बूथ कार्यकर्ताओं को सक्रिय किये जाने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। भाजपा के सभी पदाधिकारी, सभी पार्षद गण, सभी मोर्चा अध्यक्ष, सभी बूथ अध्यक्ष, सभी मोर्चा जिला पदाधिकारी, सभी प्रकोष्ठ के जिला व मंडल पदाधिकारी,सभी वरिष्ठजन व कार्यकर्ता बंधु सहित मण्डल कार्यसमिति के सभी सदस्य उपस्थित रहेंगे।

लॉयन नववर्ष की शुरुआत सेवा कार्यों के साथ हुई

बिजयनगर, (निसं)। लायंस क्लब बिजयनगर के तत्वाधान में लायन नव वर्ष की शुरुआत सेवा कार्यों के साथ की गई। शिव बाजार स्थित श्री गौरीशंकर नीलकंठ महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पूजा अर्चना करते हुए अच्छी बरसात एवं सुख समृद्धि की कामना की।

महावीर बाजार स्थित संभव नाथ जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी के दर्शन कर पक्षियों को दाना डाला एव गायों को चारा खिलाया। राजकीय चिकित्सालय में भर्ती मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना के साथ भोजन वितरित किया। राजकीय चिकित्सालय स्थित लॉयन धर्मशाला में डॉक्टर्स डे व चार्टर्ड डे के अवसर चिकित्सकों का सम्मान किया गया।

डॉक्टर जय सिंह भाटी, धानभाग भाटी, आरपी शर्मा, आरके वर्मा, संदीप अग्रवाल, सुरेश मीणा, दयाल सोलंकी, ममता चौधरी, पंकज धनोपिया, अमित उपाध्याय, डॉ ए.के विश्वास सहित लगभग 15 डॉक्टरों का व चार्टर्ड अकाउंटेंट संदेश राठी हेमंत अग्रवाल सहित लगभग 7 चार्टर्ड अकाउंट का स्वागत व अभिनंदन क्लब सदस्यों द्वारा उनका माल्यार्पण कर दुपट्टा उड़ा श्रीफल भेंट कर किया गया।

लायंस क्लब बिजयनगर के संस्थापक अध्यक्ष लॉयन सुधीर गोयल अंशु गोयल पूर्व अध्यक्ष राधे गोपाल खंडेलवाल सुनीता खंडेलवाल चंद्रशेखर शर्मा निर्मला शर्मा अध्यक्ष नवीन कुमार सोनी दीपिका सोनी कोषाध्यक्ष विजय छिपा दीपमाला छिपा सचिव विमल कोठारी राजेंद्र धनोपिया महेंद्र सोलंकी संदेश राठी पूर्व अध्यक्ष जीएल यादव राजेश तोषनीवाल राजकुमार लुणावत सहित आदि कई लायन सदस्य उपस्थित थे।

डॉक्टर एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट-डे पर सम्मानित किया गया।

मोबाइल स्नैचिंग मामले में एक गिरफ्तार, दो नाबालिग निरूद्ध

अजमेर, (कासं)। क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस ने 15 वर्षीय नाबालिग से मोबाइल स्नैचिंग के प्रकरण में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने दो नाबालिगों निरुद्ध किया है। आरोपियों ने मॉल में घूमने आई लड़की पर झपट्टा मारकर मोबाइल छीनकर फरार हो गए थे।

क्रिश्चियन गंज थाना अधिकारी डॉ रविश सांमरिया ने बताया कि 30 जून 2022 को गणेश गुवाड़ी पंचशील निवासी 15 वर्षीय नाविका परी पुत्री उषा जैन ने थाने पर शिकायत दर्ज करवाई की वह अपने दोस्तों के साथ सिटी स्क्वायर मॉल घूमने गई थी। इस दौरान डी-मार्ट के नजदीक तीन बाइक सवार लड़के पीछे से आए और झपट्टा मारकर उसका मोबाइल छीनकर फरार हो गए। मामले में मिली शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर टीम का गठन किया और कार्रवाई के निर्देश दिए। थानाधिकारी रवीश सांमरिया ने बताया कि टीम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी खंगाले और आरोपियों को चिन्हित करते हुए रातिडांग निवासी शाहरुख (18) पुत्र गुलजार खां को गिरफ्तार कर लिया।

साथ ही मामले में दो नाबालिग को निरुद्ध किया है। पुलिस ने मामले में गिरफ्तार आरोपी से मोबाइल भी बरामद कर लिया है। आरोपियों द्वारा मोटरसाइकिल पर झपट्टा मारकर नाबालिग का मोबाइल छीन कर फरार हुए थे।

मोबाइल स्नैचिंग में क्रिश्चियन गंज पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ा।

- आरोपी मॉल में घूमने आई लड़की पर झपट्टा मार मोबाइल छीनकर फरार हो गए थे

देह शोषण का मामला दर्ज

नसीराबाद, (निसं)। नसीराबाद सदर थाना अंतर्गत निकटवर्ती एक ग्राम की निवासी पीडिता ने नसीराबाद सदर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि गत 2 जून को वह अपने 8 वर्षीय पुत्र के साथ पीहर जाने के लिए घर से निकली थी। रास्ते में आरोपी बाबू पुत्र रामनाथ ने पीडिता को बाइक से उसके पीहर छोड़ने की बात कहते हुए पानी में नशीला पदार्थ पिलाकर जबरन अपने रिश्तेदार के यहां ग्राम पाबूथान ले गया और पीडिता के नाबालिग पुत्र को जान से मारने की धमकी देते हुए पीडिता से कई दिनों तक देह शोषण किया वही लापता पीडिता के परिजनों ने गत 5 जून को नसीराबाद सदर थाना में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया जिस पर सदर थाना पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर गत 30 जून को पीडिता को दस्तयाब कर पूछताछ की तो पीडिता द्वारा आपबीती सुनाई। वही पीडिता द्वारा लिखित शिकायत करने पर मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की।

सार-समाचार

विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

ब्यावर, (निसं)। तालुका विधिक सेवा समिति, ब्यावर द्वारा मारोठिया सीनियर सैकण्डेरी स्कूल में जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, महावीर सिंह चारण, राजेश्वर विश्नोई तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट नीतू, ऋतु चंदानी व शैली परवाल उपस्थित रहे। शिविर के दौरान राजेश्वर विश्नोई ने विद्यालय प्रबंधक व स्टॉफगण को बिल्डिंग नेशन थ्रु एजुकेशन अभियान के तहत कोविड महामारी के दौरान स्कूल से ड्रापआउट बच्चों को चिन्हित कर उनके अभिभावकों से समन्वय करने व पुन: उनके दाखिले हेतु उचित दिशा-निर्देश दिये। महावीर सिंह चारण ने विद्यार्थियों को नशे से होने वाले दुष्परिणामों, मोटर वाहन अधिनियम, महिला सशक्तिकरण के बारें में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती नीतू ने उपस्थितजन को नि:शुल्क विधिक सहायता के तहत् पात्र व्यक्तियों को उनकी ओर से पैरवी करने हेतु अधिवक्ता उपलब्ध करवाये जाने की जानकारी दी तथा बाल विवाह के दुष्परिणामों से अवगत करवाया। पैरा लीगल वालंटियर संजय सिंह गहलोत ने उपस्थिजन को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओ के बारें में जानकारी प्रदान की। शिविर में संस्था प्रधान रमेशचन्द मारोठिया, विद्यालय स्टॉफ श्रीमती नर्बदा गहलोत, मोना राजपूत, कविता साहू, मोनिका जादम आदि उपस्थित रहे।

किशनगढ़ बंद पूर्णतया सफल

मदनगंज-किशनगढ,(निसं)। उदयपुर में घटित कन्हैया साहू हत्याकांड के विरोध स्वरूप हिंदूवादी संगठनों के आव्हान पर आवश्यक सेवा को छोड किशनगढ बंद पूर्णतया सफल रहा। मुख्य बाजार सहित गली मोहल्लों में दुकानदारों ने स्वैच्छिक रूप से अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। पुलिस अफसर दिनभर कानून व्यवस्था पर नजर रखे हुए थे।

ढसूक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत

मदनगंज-किशनगढ,(निसं)। विधायक सुरेश टाक की अनुशंसा पर राज्य सरकार ने उप स्वास्थ्य केंद्र ढसूक को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत करने का आदेश जारी किया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना होने से ग्रामीणों को बडी राहत मिलेगी और करीब 400 तरह की निशुल्क दवाईयों के अलावा फ्री जांचे हो सकेगी। साथ ही चिकित्साधिकारी व विभिन्न पदों का सृजन होगा। विधायक टाक ने बताया की अरांई ब्लॉक की ग्राम पंचायत ढसूक मुख्यालय पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत नहीं होने के कारण ग्रामीणों को काफी वर्षों से अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड रहा था। इनको सुविधाओं के अभाव में इलाज कराने के लिये इधर उधर भटकना पड़ रहा था। विधायक टाक ने चुनावी वादे को चुनौती के रूप में लेकर उप स्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत कराने के लिये सार्थक प्रयास शुरू किये। मुख्यमंत्री से मिलकर वास्तविक समस्या को लेकर चर्चा की गई, जिसके चलते मुख्यमंत्री ने नियमों में षिथिलन देते हुए उप स्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत करने की स्वीकृति प्रदान कर बडी सौगात देने की घोषणा की। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत होने से अस्पताल मेंएक चिकित्साधिकारी, दो नर्सिंग अधिकारी, एएनएम, महिला स्वास्थ्य दर्शिका, लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट, कंप्यूटर ऑपरेटर, तथा 2 वार्ड बॉय के पद स्वीकृत होंगे। करीब चार सौ तरह की दवाइयां व 15 जांच की सुविधा निशुल्क मिल सकेगी। उन्होंने बताया की गांवखण्डाच में स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र को भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत किए जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है, जिसकी स्वीकृति भी जल्द ही जारी होंगी।

लायनवादी नववर्ष की शुरुआत

अजमेर, (कासं)। लायंस क्लब अजमेर उमंग ने लायनवादी नव वर्ष 2022-23 के सेवा कार्य की शुरुआत की। क्लब अध्यक्ष ज्योत्सना जैन के अनुसार अजमेर की तीन गौशालाओं की 900 सौ से अधिक गऊ माता के लिए 2168 किलो सब्जियां चारा जिसमे पुष्कर आदि गौशाला पुष्कर रोड में 11मन हरा चारा रिजका क्लब निवर्तमान अध्यक्ष लॉयन राजकुमार गर्ग द्वारा, पुष्कर आदि गौ शाला जनाना रोड पर 912 किलो लोकी, गिलकी तुराई ताजा हरी सब्जियां नंदा अशोक शर्मा बी आर ज्वैलर्स के सहयोग से, तीसरा टेंपू सीता गौ शाला पहाड़ गंज पर 816 किलो सब्जियां लायन चंद्र कांता प्रकाश गोयल, लायन सरिता नरेश ऐरन, गोभक्त ओमप्रकाश मंगल, किशन चंद मनीष कुमार बंसल, लायन ज्योत्सना जैन के सहयोग से अर्पण की। सचिव संदीप डोसी ने बताया कि सेवाओं के दौरान अशोक शर्मा ने कहा गौमाता सेवा का महत्व निराला है जिसके करने मात्र से ही पुण्यअर्जन से प्राप्त फलों का एहसास सा होता है लॉयन अनिल गर्ग, राजकुमार गर्ग कोषाध्यक्ष प्रकाश गोयल, अशोक टांक, निवर्तमान पार्षद ह्यूमन राइट्स वॉइस जिलाध्यक्ष महेंद्र जैन मित्तल, दीपक डोसी, सौरभ गुप्ता, हंसराज गुर्जर, बंशी गुर्जर ने छोटे छोटे टुकड़े कर अपने हाथों से अर्पण कर सेवाएं दी। प्रकाश गोयल के जन्मदिन पर संजय अत्तार, दिनेश प्रणामी, बंशी गुर्जर ने पटका, माला पहनाकर कर स्वागत किया।

नि:शुल्क एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर शुरू

अजमेर, (कासं)। नया बाज़ार बादशाह बिल्डिंग के सामने स्थित सगाई बाले बालाजी मंदिर परिसर में 2 जुलाई शनिवार से नि:शुल्क एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर का आयोजन बेटियां 'पंछी एक डाल की' समाज सेवी संस्था के तत्वावधान में हुआ। शिविर सांय 5 से सांय 7 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। उपरोक्त जानकारी देते हुए मंदिर के पुजारी श्यामसुंदर शर्मा ने बताया कि शिविर मे पाइल्स की दवा फ्री दी जा रही है। शिविर में एक्यूप्रेशर की प्रसिद्ध संस्था आरोग्य काया एक्यूप्रेशर योगा मंदिर के मुख्य चिकित्सक डॉ. महेश अग्रवाल, सुश्री रामदेवी वासवानी, मनमोहन मल्होत्रा, के.के.शर्मा, संध्या काबरा, स्नेहलता काबरा, आशीष बाकलीवाल, अपनी सेवा दें रहे है। खराब मौसम के बावजूद शिविर में प्रथम दिन ही मरीजो की भीड़ उमड़ी प्रथम दिन अजमेर, फुलेरा, किशनगढ़, विजयनगर से आकर मरीजो ने स्वास्थ्य लाभ लिया। शिविर में कोरोना गाइडलाइन के नियमों का पालन कर उपचार किया जा रहा है। शिविर में लकवा, गठिया, गैस, सियाटिका, सरवाईकल, कंधे का दर्द, घुटने का दर्द, ऐड़ी का दर्द, रक्तचाप, नजला, पेट दर्द, नाभि का टलना, साइनस आदि रोगों का उपचार किया जायेगा।

रेवेन्यू बोर्ड के संबंध में महेन्द्र रलावता सीएम से मिले

अजमेर, (कासं)। राजस्थान रेवेन्यू बोर्ड के सम्भावित विघटन के मध्यनजर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव व अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी महेन्द्र सिंह रलावता ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात करके राजस्थान रेवेन्यू बोर्ड के वकीलों के द्वारा की जा रही हडताल, कर्मचारियों मे फैल रहे असंतोष से मुख्यमंत्री को अवगत कराया के बोर्ड का विघटन नहीं होना चाहिए। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आस्वस्त किया की यह खाली भ्रांतिया है, रेवेन्यू बोर्ड का कोई विगठन नही किया जायेगा। रलावता ने मुख्यमंत्री के आश्वस्त करने पर आभार प्रकट किया है। इस अवसर पर नसीराबाद पूर्व विधायक महेन्द्र सिंह गुर्जर, मुकेश सिंह राठौड भी साथ में थे।

उदयपुर हत्याकांड के किसी भी आरोपी का भाजपा कार्यकर्ता के साथ कोई संबंध नहीं : एम. सादिक

'बेगुनाह मोर्चा कार्यकर्ताओं को राज्य सरकार फंसाने की कोशिश न करे'

- कन्हैया लाल ने जान की धमकी मिलने के बाद जब पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई तो क्यों नहीं इतने दिनों तक पुलिस प्रशासन और राज्य सरकार ने सुरक्षा नहीं दी, क्या राज्य सरकार इस वारदात का इंतजार कर रही थी? : हुसैन खान
- उदयपुर में रियाज का जो फोटो भाजपा नेताओं के साथ वायरल हुआ है, इस तरीके की फोटो आप किसी नेता के साथ या किसी भी सेलेब्रिटी के साथ खड़े होकर खिंचवा सकते हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि वो हमारी पार्टी का मेम्बर है : हमीद खान

जयपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष एम. सादिक खान ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड की हम कड़ी भर्त्सना एवं निंदा करते हैं, ऐसे जघन्य अपराध किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि, न तो हमारे देश में और न ही इस्लाम मजहब में इस तरह के किसी अपराध की इजाजत दी गई है बल्कि पैगम्बर हजरत मोहम्मद ने तो एक छोटे से जीव चींटी को भी मारने के लिए मना फरमाया है तो हम फिर कैसे किसी निहत्थे को मार सकते हैं, उदयपुर ही घटना राज्य सरकार व प्रशासन का पूर्णतया फैल्योर है, जहां तक किसी कार्यकर्ता की बड़े नेताओं के साथ फोटो खिंचाने का मसला है तो कोई भी कार्यकर्ता किसी के साथ फोटो खिंचवा सकता है। इसका मतलब यह नहीं है कि उसका पार्टी से कोई संबंध है। उदयपुर हत्याकांड के किसी भी आरोपी का हमारे किसी भी कार्यकर्ता के साथ कोई संबंध नहीं है और जो फोटो वायरल बताया जा रहा है उसका हमारे मोर्चे से कोई संबंध नहीं है। हमारी न्यायपालिका से यह गुजारिश है कि इस मामले में जल्द-जल्द फैसला सुनाए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले।

अल्पसंख्यक मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुसैन खान ने कहा कि कांग्रेस सरकार के शासन में अब तक की सबसे बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था है, कन्हैया लाल ने जान की धमकी मिलने के बाद जब पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई तो क्यों नहीं इतने दिनों तक पुलिस प्रशासन और राज्य सरकार ने सुरक्षा नहीं दी, क्या राज्य सरकार इस वारदात का इंतजार कर रही थी? इससे यह स्पष्ट होता है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के लिए जन सुरक्षा के बजाए अपनी कुर्सी बचाना ही एकमात्र प्राथमिकता बची है।

उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी राष्ट्रवाद के विचार के साथ मजबूती से खड़ी है एवं आतंकवाद एवं राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के सख्त खिलाफ हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल एवं मजबूत नेतृत्व में केन्द्र सरकार हर आतंकवादी गतिविधियों का मुंहतोड़ जवाब दे रही है और देती रहेगी क्योंकि राष्ट्रीय एवं जन सुरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि है।

अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश महामंत्री हमीद खान ने कहा कि, उदयपुर में जो रियाज का जो फोटो भाजपा नेताओं के साथ वायरल हुआ है, इस तरीके की फोटो आप किसी नेता के साथ या किसी भी सेलेब्रिटी के साथ खडे होकर खिंचवा सकते हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि वो हमारी पार्टी का मेम्बर है, उसका पार्टी में कोई भी सदस्यता का प्रमाण नहीं है और न किसी बूथ, मंडल व जिला टीम में कभी सदस्य नहीं रहा है। यह पार्टी को बदनाम करने के लिए साजिश रची गयी है। चूंकि यह अशोक गहलोत सरकार का फैल्योर है, मैं गहलोत सरकार से गुजारिश करता हूं कि अभी भी वक्त है अपना पद छोड़ दीजिए और राजस्थान की जनता पर रहम कीजिए और अपना इस्तीफा दे दीजिए और कन्हैयालाल हत्याकांड के सभी आरोपियों को सख्त से सख्त सजा मिले और हत्यारों को फांसी हो, पीड़ित परिवार की सभी मांगे राज्य सरकार पूरी करें और किसी बेगुनाह कार्यकर्ता को न फंसाए। इस दौरान प्रेस वार्ता में प्रदेश मीडिया संयोजक पंकज जोशी मौजूद रहे।

बीमा और चिकित्सा क्षेत्र में सहकारिता विभाग कार्य करें : मुक्तानंद अग्रवाल

रजिस्ट्रार सहकारिता मुक्तानंद अग्रवाल ने शनिवार को 100वें अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर अपेक्स बैंक परिसर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड बैज्जू एन पूरप, प्रबंध निदेशक राजफैड उर्मिला राजोरिया व प्रबंध निदेशक अपेक्स बैंक बिजेन्द्र राजोरिया सहित अन्य लोग मौजूद थे।

जयपुर, (का.सं.)। रजिस्ट्रार सहकारिता मुक्तानंद अग्रवाल ने कहा कि सहकारिता व्यापक संभावनाओं वाला क्षेत्र है। बीमा और चिकित्सा क्षेत्र में सहकारिता को कार्य करना चाहिए, ताकि सभी लोगों को इसका लाभ मिल सके। सहकारिता की शक्ति उनके सदस्यों से है। जब तक लोकतांत्रिक पद्धति सहकारिता में रहेगी इसका ढांचा मजबूत होता रहेगा। भविष्य में सहकारिता और श्रेष्ठता की ओर जाएगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता नवाचार एवं नए क्षेत्रों में कार्य कर लोगों के जीवन में बदलाव लाएंगी।

- सतत एवं स्थायी विकास के लिए सहकारिता है बेहतर मॉडल : बैज्जू एन. पूरप

अग्रवाल शनिवार को 100वें अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर अपेक्स बैंक परिसर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति के विकास के लिए सरकार और निजी क्षेत्र के कार्य करने के बावजूद भी एक रिक्तता रहती है, इसके लिए सहकारिता एक बेहतर माध्यम है। गरीब की आर्थिक उन्नित का सबसे सरल रास्ता सहकारिता है। उन्होंने कहा कि आज सहकारिता के क्षेत्र में इफको और अमूल की गुणवत्ता एवं उनकी सेवाओं को सभी लोग पहचानते हैं।

मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड बैज्जू एन पूरप ने कहा कि ग्राम सेवा सहकारी समितियां के सुदृढ़ होने पर ही सहकारिता भी मजबूत होगी। समय के साथ तकनीकी अपग्रेडेशन होना जरूरी है। उन्होंने डोर स्टेप बैंकिंग पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों में स्थायित्व तभी आएगा जब परम्परागत कार्यों के साथ अन्य कार्यों पर भी फोकस किया जाए। उन्होंने तमिलनाडु, असम एवं केरल के सहकारिता के ढांचे से अवगत कराते हुए कहा कि केरल सहकारिता के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रहा है एवं वहां पैक्स का 200 करोड़ रुपये तक का टर्न ओवर है। उन्होंने सतत एवं स्थायी विकास के लिए सहकारिता को बेहतर मॉडल बताते हुए कहा कि देश के आर्थिक विकास में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रबंध निदेशक राजफैड उर्मिला राजोरिया ने कहा कि राजफैड किसानों के हित में कार्य करता है, किसान हमेशा जोखिम उठाकर अपने कार्य को अंजाम देता है। कोविड के दौरान सहकारिता ने अपनी भूमिका निभाते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की गई खरीद का किसानों को 3 से 4 दिवस में भुगतान किया। सहकारिता एक ऐसी कड़ी है जो बंधन में जुड़े व्यक्ति का सामाजिक एवं आर्थिक स्तर मजबूत करता है एवं विकास की राह में शामिल करता है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के द्वारा योजनाओं को अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है।

प्रबंध निदेशक अपेक्स बैंक बिजेन्द्र राजोरिया ने अपने स्वागत उद्बोधन में अपेक्स बैंक विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में बताते हुए कहा कि सहकारिता से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति का स्तर ऊंचा उठाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर पावटा के जीएसएस के अध्यक्ष राजेन्द्र पारीक, शाहपुरा केवीएसएस के अध्यक्ष सुगन चंद, पलसाना जीएसएस के व्यवस्थापक महादेव सिंह एवं मनोहरपुरा जीएसएएस के खेमचंद ने भी विचार व्यक्त किए।

कन्हैयालाल साहू की हत्यारों को सजा दिलाने के लिए जयपुर में आज होगा बड़ा प्रदर्शन

- हिंदू संगठनों की ओर से स्टेच्यू सर्किल पर होगा हनुमान चालीसा का पाठ
- जयपुर में 3 जुलाई तक इंटरनेट बंद; शहर में चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेंगे पुलिसकर्मी, ड्रोन से होगी निगरानी

जयपुर (कासं)। उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल साहू की निर्मम हत्या का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। हत्यारों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए रविवार को जयपुर में बड़ा विरोध-प्रदर्शन होगा। जिसमें करीब 1 लाख से ज्यादा लोगों के जुटने की संभावना जताई जा रही है। हिंदू संगठनों की ओर से स्टैच्यू सर्किल पर सुबह 10 बजे हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के साथ कई सामाजिक और धार्मिक संगठन से जुड़े पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। दूसरी तरफ इस विरोध प्रदर्शन के चलते पुलिस-प्रशासन ने जयपुर में 3 जुलाई शाम 5:30 तक इंटरनेट बंद कर दिया गया है। जगह-जगह भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। ड्रोन से निगरानी होगी।

ज्ञात रहे कि गत 28 जून को दोपहर में उदयपुर के धान मंडी क्षेत्र में 2 बदमाशों ने टेलर कन्हैयालाल की गला काटकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद से ही राजस्थान में नेट बंद करने के साथ ही धारा-144 लागू कर दी गई। दूसरी तरफ कन्हैया के हत्यारों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए हिंदू समाज में आक्रोश छाया हुआ है। इससे पहले 30 जून को भी राजधानी जयपुर में मृतक कन्हैयालाल के समर्थन में बंद का आव्हान किया गया था। जिसे हिंदू संगठनों के साथ सामाजिक संगठन और भारतीय जनता पार्टी ने भी समर्थन दिया था। इस दौरान बड़ी संख्या में युवा शहर की सड़कों पर कन्हैया के समर्थन में विरोध मार्च करते नजर आए थे। ऐसे में 3 जुलाई को होने वाले प्रदर्शन से पहले पुलिस प्रशासन पूरी तरह से एक्टिव हो गया है। ऐसे में प्रदर्शनकारियों के रूट में भी परिवर्तन किया गया है। पहले जहां हिंदू संगठनों द्वारा बड़ी चौपड़ से सांगानेरी गेट तक विरोध मार्च निकाल हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन किया जाना था। अब यह कार्यक्रम स्टेच्यू सर्किल पर आयोजित होगा।

राज्यपाल ने एस्ट्रो ओम ऐप का लोकार्पण किया

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्रणव पारीक द्वारा यज्ञ फाउंडेशन के लिए तैयार 'एस्ट्रो ओम' ऐप का शनिवार को यहां राजभवन में लोकार्पण किया। इस ऐप पर ज्योतिष, यज्ञ, पूजन, योग, प्राकृतिक चिकित्सा की जानकारी और इनसे जुड़ी ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस दौरान संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक गोविंद पारीक उपस्थित रहे।

बाल श्रम कराने वाले अभियुक्त को कारावास

जयपुर, (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 महानगर प्रथम ने बच्चों से जबरन बाल श्रम कराने वाले अभियुक्त मोहम्मद तौफीक को पन्द्रह साल की कठोर सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 85 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने कहा कि जुर्माना राशि जमा होने पर दोनों पीड़ित बच्चों को चालीस-चालीस हजार रुपए दिए जाए। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक रचना मान ने अदालत को बताया कि मानव तस्करी निरोधक यूनिट की सूचना पर झोटवाड़ा थाना पुलिस ने एक फरवरी 2018 को मदीना कॉलोनी स्थित मकान में दबिश दी थी।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में वृद्धि

जयपुर। प्रदेश में शनिवार को फिर करोना संक्रमितों की संख्या में वृद्धि हुई है। इस दौरान राज्य में 133 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं नए संक्रमितों से अधिक रिकवरी होने से एक्टिव केस घटकर 913 रह गए हैं।

प्रदेश में शनिवार को 12 जिलों में 133 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शुक्रवार को 89 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में थोड़ी गिरावट के बाद 40 नए मरीज मिले हैं। इसके अलावा बीकानेर में 30, जोधपुर में 18, चूरू में 11, अजमेर में 10, बाड़मेर में 7, भीलवाड़ा में 6, उदयपुर में 4, अलवर में 3, डूंगरपुर में 2 तथा चित्तौड़गढ़ व नागौर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 21 जिलों में संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। प्रदेश में शनिवार को करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि राज्य में अब तक करोना से 9566 लोगों की मौत हो चुकी है।

बुमराह ने इंग्लैंड को मुश्किल में डाला

बर्मिंघम, 2 जुलाई। भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने बल्ले से रिकॉर्ड तोड़ पारी खेलने के बाद बारिश से प्रभावित टेस्ट मैच में शनिवार को दूसरे दिन तीन विकेट झटककर इंग्लैंड की मुश्किलें बढ़ा दी।

भारत के पहली पारी में 416 रन के जवाब में पिछले साल शुरू हुई श्रृंखला के पांचवें मैच में इंग्लैंड ने पहली पारी में दिन का खेल समाप्त होने तक 84 रन पर 5 विकेट खो दिये है। जॉनी बेयरस्टो (12) और बेन स्टोक्स बिना खाते खोले क्रीज पर है। बुमराह ने दिन की शुरुआत में स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में बल्ले से 29 रन बनाकर टेस्ट क्रिकेट में एक ही ओवर में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड बनाया और महान क्रिकेटर ब्रायन लारा की उपलब्धि को एक रन से पीछे छोड़ दिया।

इससे पहले दूसरे दिन 338/7 से शुरुआत करते हुए जडेजा और मोहम्मद शमी ने अपना समय लिया, लेकिन शमी ने मैथ्यू पॉट्स के ओवर में दो चौके लगाकर पारी की रफ्तार बढ़ाई। इस दौरान जडेजा ने अपना शतक भी पूरा किया। स्टुअर्ट ब्रॉड ने शमी को 16 रन पर पवेलियन लौटाकर अपने 550 टेस्ट विकेट पूरे किये, जबकि जडेजा ने एंडरसन के हाथों आउट होने से पहले 194 गेंदों की अपनी पारी में 13 चौकों की बदौलत 104 रन बनाये।

भारत के नौ विकेट गिरने के बाद पहली बार कप्तानी कर रहे बुमराह ने 16 गेंद में 31 रन की नाबाद पारी खेली और उनके बल्ले से निकले आतिश को एजबेस्टन के दर्शक बरसों तक याद रखेंगे। उन्होंने ब्रॉड के एक ओवर में 29 रन निकाले जबकि छह अतिरिक्त समेत उस ओवर में 35 रन बने। उन्होंने तलवार की तरह बल्ले का इस्तेमाल किया और ब्रॉड को चार चौके और दो छक्के लगाये। भारत के नौवें, दसवें और 11वें नंबर के बल्लेबाजों ने 93 रन का योगदान दिया। इंग्लैंड के लिये जेम्स एंडरसन ने 60 रन देकर पांच विकेट लिये जबकि ब्रॉड ने 550 टेस्ट विकेट पूरे किये।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
शुभमन गिल का क्रॉली बो एंडरसन	17	24	4	0
चेतेश्वर पुजारा का क्रॉली बो एंडरसन	13	46	2	0
हनुमा विहारी पगबाधा बो पॉट्स	20	53	1	0
विराट कोहली बो पॉट्स	11	19	2	0
ऋषभ पंत का क्रॉली बो रूट	146	111	19	4
श्रेयस अय्यर का बिलिंग्स बो एंडरसन	15	11	3	0
रवींद्र जाडेजा बो एंडरसन	104	194	13	0
शार्दुल ठाकुर का बिलिंग्स बो स्टोक्स	1	12	0	0
मोहम्मद शमी का लीच बो ब्रॉड	16	31	3	0
जसप्रीत बुमराह नाबाद	31	16	4	2
मोहम्मद सिराज का ब्रॉड बो एंडरसन	2	6	0	0
अतिरिक्त :	40			

कुल : 84.5 ओवर में 416

विकेट पतन : 1-27, 2-46, 3-64, 4-71, 5-9, 6-320, 7-323, 8-371, 9-375, 10-416

गेंदबाजी : जेम्स एंडरसन 21.5-4-60-5, स्टुअर्ट ब्रॉड 18-3-89-1, मैथ्यू पॉट्स 20-1-105-2, जैक लीच 9-0-71-0, बेन स्टोक्स 13-0-47-1, जो रूट 3-0-23-1

हार्मनी टैन चौथे दौर में, गाफ बाहर

लंदन, 2 जून। फ्रेंच ओपन में दूसरा स्थान हासिल करने वाली अमेरिका की कोको गाफ़ हमवतन अमांडा एनिसीमोव से हारकर शनिवार को विम्बलडन से बाहर हो गयीं। एनिसीमोव ने गाफ़ को सेंटर कोर्ट में हुए तीसरे दौर के मुकाबले में 6(4)-7(7), 6-2, 6-1 से मात दी।18 वर्षीय गाफ़ ने पहले सेट में एनिसिमोवा के खिलाफ 3-0 की लीड हासिल की। एनिसीमोव ने मैच पर पकड़ बनाते हुए सेट को टाइब्रेकर पर ला खड़ा किया, लेकिन गाफ़ ने संयम बरतते हुए टाइब्रेकर 7-4 से अपने नाम किया।

दूसरा सेट पूरी तरह एनिसीमोव के नाम रहा जिसे उन्होंने 6-2 से जीत लिया।एनिसीमोव ने तीसरे सेट में अपनी पकड़ मजबूत करते हुए गाफ़ को 6-1 से मात दी और ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता के चौथे दौर में प्रवेश किया। चौथे दौर में में एनिसीमोव का सामना फ्रांस की हार्मनी टैन से होगा जिन्होंने तीसरे दौर में ब्रिटेन की केटी बोल्टर को 6-1, 6-1 से हराया।

पहले दौर में सेरेना विलियम्स को हराने वाली टैन ने दिखाया कि सेरेना पर उनकी जीत कोई तुक्का नहीं थी। उन्होंने कोर्ट-2 में हुए मुकाबले में बोल्टर को लगातार सेटों में मात दी। जीत के बाद टैन ने कहा, "मुझे यकीन नहीं हो रहा। शायद मैं कल सुबह सोकर उठूं तो शायद यकीन हो, लेकिन यह अद्भुत है।"

उन्होंने कहा, "मेरा खयाल है कि मुझे ग्रास कोर्ट पसंद है। सेरेना के खिलाफ पहला राउंड बहुत भावनात्मक था। उसके बाद मैं एक बार में एक मैच पर ध्यान दे रही हूं।" इसी बीच, ऑस्ट्रेलिया की अजला टॉमलानोविक ने चेकिया की बारबरा क्रेचिकोवा को तीसरे दौर में 2-6, 6-4, 6-3 से हराया।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए एश्टन एगर

कोलंबो, 2 जुलाई। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज़ एश्टन एगर मांसपेशी की चोट से न उबर पाने के कारण श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टेस्ट से बाहर हो गये हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को यह जानकारी दी।

एगर तीन हफ्ते पूर्व श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गये पहले एकदिवसीय मुकाबले में चोटिल हो गये थे। चोट ग्रेक न होने के कारण वह अब सीरीज़ के दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच से पहले ही ऑस्ट्रेलिया वापस लौटेंगे।

टेस्ट में एगर की अनुपस्थिति में मिचेल स्वेपसन को टीम में शामिल किया गया था, जहां ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को श्रीलंका को 10 विकेट से हराया। दूसरे टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया ने जॉन हॉलैंड को स्क्वाड में शामिल किया है, जो स्वयं चोटिल हैं। हॉलैंड ने 2016 में श्रीलंका के सामने ही गाले में अपना पदार्पण किया था। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाड़ी हॉलैंड श्रीलंका ए के विरुद्ध होने वाले दूसरे मैच से पहले चोटिल हो गये थे। शुक्रवार की जीत के बाद उन्हें गेंदबाजी करते हुए देखा गया, हालांकि उनके खेलने पर संशय है क्योंकि स्वेपसन ने पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट लिये थे। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के पाकिस्तान दौरे पर भी एगर कोरोना संक्रमित होने के कारण एक भी मुकाबला नहीं खेल सके थे।

2008 के बाद पहली बार ओलंपिक में पहुंची अमेरिकी फुटबॉल टीम

सान पेड्रो सूला, 2 जुलाई। अमेरिकी पुरुष फुटबॉल टीम ने कोनकाकाफ पुरुष अंडर-20 चैम्पियनशिप (सीएमयू20) के सेमीफाइनल में होंडुरास को हराकर 2008 के बाद पहली बार ओलंपिक के लिये क्वालीफाई किया। अमेरिका ने सान पेड्रो सूला के एस्टेडियो मोराज़ान में शुक्रवार रात हुए मुकाबले में होंडुरास को 3-0 से मात दी। उन्होंने अपने तीनों गोल मैच के शुरुआती 45 मिनट में ही करके न सिर्फ पैरिस 2024 में अपनी जगह पक्की की, बल्कि सीएमयू20 के फाइनल में भी जगह बनायी। फाइनल में अमेरिका का मुकाबला डोमिनिकन गणराज्य से होगा जो सेमीफाइनल में गुआटेमाला को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर आ रही है।

पंत को सलाम लेकिन हम डरे नहीं है : इंग्लैंड के सहायक कोच कोलिंगवुड

बर्मिंघम, 2 जुलाई। ऋषभ पंत के 146 रन ने भले ही उन्हें बैकफुट पर ला दिया हो लेकिन इंग्लैंड के सहायक कोच पॉल कोलिंगवुड ने कहा कि मेजबान टीम डरी हुई नहीं है और पांचवें टेस्ट में वापसी करेगी। पंत उस समय बल्लेबाजी के लिये उतरे जब भारत के पांच विकेट 98 रन पर गिर चुके थे। पंत के शतक के दम पर भारत ने पहले दिन सात विकेट पर 338 रन बनाये। पंत ने 111 गेंद की पारी में 19 चौके और चार छक्के जड़े। कोलिंगवुड ने पहले दिन के खेल के बाद कहा ,'' मुझे नहीं लगता कि हम लंबे समय तक दबाव में रहेंगे लेकिन पंत की पारी को सलाम। जब आप विश्व स्तरीय खिलाड़ियों के खिलाफ खेलते हैं तो विश्व स्तरीय प्रदर्शन होता है।'' उन्होंने कहा ,'' हम चौथी पारी में लक्ष्य का पीछा करने से डरते नहीं है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों में हमारे प्रदर्शन से स्पष्ट है कि हम विरोधी टीम से डरते नहीं हैं।'' उन्होंने कहा ,'' हम पारंपरिक टेस्ट क्रिकेट नहीं खेल रहे।

इंग्लैंड के लिये 100% तैयार : सविता

महिला हॉकी विश्व कप

एम्सटेलवीन, 2 जुलाई। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप मुकाबले से पहले शनिवार को कहा कि टीम ''100 प्रतिशत तैयार है।''

टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत और ग्रेट ब्रिटेन कांस्य पदक मुकाबले में आमने-सामने आये थे, जहां इंग्लैंड ने करीबी मुकाबले में भारत को 4-3 से हराया था। अब भारत को अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ करनी है।

दोनों टीमों की प्रतिद्वंद्विता इससे भी पुरानी रही है। लंदन में 2018 में आयोजित विश्व कप के पिछले संस्करण में, भारत ने राउंड रॉबिन लीग मैच में इंग्लैंड के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला था। भारतीय महिला टीम ने उस वर्ष की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में राष्ट्रमंडल खेलों में ग्रुप चरण में इंग्लैंड को 2-1 से हराया भी था, लेकिन कांस्य पदक मैच में उनसे हार गई थी। ये दोनों टीमें 2006 के विश्व कप में आमने-सामने रही थीं, जहां उन्होंने 1-1 से ड्रॉ खेला था। साथ ही 2002 के चैंपियंस चैलेंज को 3-3 से ड्रॉ किया, और 1998 के महिला विश्व कप ग्रुप मैच में 1-0 से भारत को हार मिली थी।

आंकड़ों के आधार पर यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत और इंग्लैंड के बीच रविवार का मैच रोमांचक होने वाला है। भारतीय टीम की कप्तान सविता ने अपने प्रतिद्वंद्वी के बारे में बात करते हुए कहा, ''भले ही एक टीम के रूप में हम अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करेंगे, लेकिन इंग्लैंड और भारत ने कुछ बहुत करीबी मुकाबले खेले हैं। निस्संदेह पिछले तीन-चार वर्षों में विशेष रूप से एक प्रतिद्वंद्विता विकसित हुई है।'' सविता ने कहा, ''हमारे कुछ खिलाड़ी उनकी गोलकीपर मैडी हिंग को चुनौती देना चाहते हैं, जो गोलपोस्ट पर काफी असाधारण रही हैं। उनके पास लौरा उन्सवर्थ, गिजेल एंस्ले, उनकी कप्तान होली पीयरने-वेब और लिली ओवस्ले जैसे कुछ बहुत अनुभवी खिलाड़ी भी हैं, जो हमारे सामने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना चाहेंगे।''

भारत और इंग्लैंड को इस साल की शुरुआत में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में दो मैच खेलने थे, जो भारत को इंग्लैंड टीम की क्षमता और कमजोरियों की अच्छी समझ प्रदान कर सकते थे। यह मुकाबले रद्द कर दिये गये थे, लेकिन भारत प्रतिष्ठित विश्व कप में यहां अपनी संभावनाओं को लेकर आशावादी बना हुआ है।

गोलकीपर सविता ने टीम की सकारात्मक सोच के बारे में कहा, ''हां, विश्व कप से पहले उनके खिलाफ मैच आदर्श होता, लेकिन अतीत में जो कुछ भी हुआ है, उससे हमें ज्यादा परेशान नहीं होना चाहिए। अभी हमारे लिए एकमात्र लक्ष्य टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करना है और टीम 100 प्रतिशत तैयार है।''

भारतीय टीम पूल बी में अपने अभियान के पहले मैच में तीन जुलाई को इंग्लैंड से भिड़ेगी। अपने दूसरे मैच में वे पांच जुलाई को चीन से खेलेंगे और उसके बाद सात जुलाई को नीदरलैंड के एमस्टलवीन में न्यूजीलैंड का सामना करेंगे। सविता ने भारतीय प्रशंसकों से उनके पहले विश्व कप पदक के अभियान में उनका समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''नीदरलैंड में एक बड़ा भारतीय समुदाय है और हम उम्मीद कर रहे हैं कि उनमें से कई मैच के लिए आएंगे। हमने देखा कि उनमें से कई प्रो लीग मैचों के दौरान रॉटरडैम में हमारा समर्थन करने आये थे और निश्चित रूप से प्रशंसकों का समर्थन हमें और भी अधिक प्रेरित करेगा।''

गोपीचंद को राष्ट्रमंडल खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद

कोलकाता, 2 जुलाई। बैडमिंटन टीम के मुख्य राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद को उम्मीद है कि थॉमस कप में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम आगामी राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुष एकल में स्वर्ण पदक जीतने और युगल स्पर्धा में अपने रिकॉर्ड को बेहतर बनाने में सक्षम होगी। राष्ट्रमंडल खेलों के 2018 सत्र में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य सहित एक अभूतपूर्व छह पदक जीते थे। किदांबी श्रीकांत और चिराग शेट्टी एवं सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की जोड़ी गोल्ड कोस्ट में दूसरे स्थान पर रही थी।

इस 48 साल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा, '' एक टीम के तौर पर वैश्विक प्रतियोगिता में यह प्रदर्शन काफी मायने रखता है। हमने इससे पहले खासकर पुरुष वर्ग में इस तरह का प्रदर्शन नहीं किया है।'' उन्होंने कहा, '' 'यह बहुत बड़ी बात है, सामान्य तौर पर टीम ने थॉमस कप में जिस तरह का प्रदर्शन किया है उससे खिलाड़ी उत्साहित और बहुत आशान्वित है। मुझे उम्मीद है कि हम पिछली बार से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। पिछली बार हमने दो स्वर्ण पदक जीते, क्या हम उससे बेहतर कर सकते हैं? लेकिन थॉमस कप को देखते हुए, मुझे यकीन है कि हमारे पास पुरुष एकल और युगल में अपने रिकॉर्ड को बेहतर बनाने का मौका होगा।''

प्रकाश पादुकोण (1978) और सैयद मोदी (1982) और पारुपल्ली कश्यप (2010) राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले पुरुष एकल खिलाड़ी है, जबकि चिराग एवं सात्विक ने 2018 में रजत पदक जीतकर इतिहास रचा था।

उदयपुर में पिछले पांच दिनों से जारी कर्फ्यू के कारण आमजन को हो रही भारी दिक्कतों को देखते हुये कर्फ्यू में शनिवार शाम को पांच घंटे की छूट दी गई। छूट मिलते ही उदयपुर शहर के मुख्य बाजार व दुकानें खुल गईं। पांच दिन के लगातार कर्फ्यू के कारण आमजन को रोजमर्रा की वस्तुएं एवं सामग्रियां जुटाने में भारी परेशानियां हो रही थीं। तथापि, हत्याकाण्ड वाली जगह, मालदास स्ट्रीट पर कर्फ्यू खुलने के बावजूद सन्नाटा पसरा रहा, यहां के बाजार में केवल इक्का-दुक्का दुकानें ही खुलीं।

उदयपुर में कर्फ्यू में पांच घंटे की छूट, शहर के बाज़ार व दुकानें खुलीं

हत्याकाण्ड स्थल, मालदास स्ट्रीट में सन्नाटा पसरा रहा, रविवार को कर्फ्यू अवधि में दस घंटे की छूट रहेगी

उदयपुर, 2 जुलाई (कासं)। उदयपुर की मालदास स्ट्रीट में गत 28 जून को हुई टेलर कन्हैयालाल की नृशंस हत्या के बाद शनिवार को उदयपुर शहर में प्रशासन की ओर से दी गई पांच घंटे की कर्फ्यू छूट के दौरान शहर के बाजार व दुकानें खुलीं। शहर में स्थिति नियंत्रण में है। वहीं घटनास्थल मालदास स्ट्रीट के बाजार में इक्का-दुक्का दुकानों को छोड़ पूर्णत: बंद ही रहा। कर्फ्यू में केवल पांच घंटे की ढील के चलते अन्य बाजारों में भी कई दुकानें बंद ही रही।

कन्हैयालाल की नृशंस हत्या के बाद मंगलवार रात 8 बजे से शहर के सात थाना क्षेत्रों सूरजपोल, हाथीपोल, धानमंडी, घंटाघर, अम्बामाता, भूपालपुरा व सवीना क्षेत्रों में चल रहे कर्फ्यू के बाद उदयपुर में सामान्य होती स्थिति के बीच आज कर्फ्यू में ढील दी गई। कर्फ्यूग्रस्त क्षेत्रों में कई दुकानों के शटर आधे खुले रहे वहीं लोगों अपनी जरूरतों की चीजों को खरीदा। शहर के बापूबाजार, धानमंडी, हाथीपोल, अश्विनी बाजार, स्वप्नलोक से चेटक जाने वाले मार्ग का बाजार, फतहपुरा, उदियापोल सहित शहर के बाजारों में स्थिति सामान्य होती दिखाई दी। हालांकि शाम 4 बजे बाद कर्फ्यू के मद्देनजर फिर से बाजारों में सन्नाटा पसर गया। वहीं मालदास स्ट्रीट में इक्का दुक्का दुकानों को छोड़ व्यापारियों ने आज भी दुकानें नहीं खोली। वहीं कुछ व्यापारी दुकानों पर पहुंचे और घटनाक्रम के बाद दुकान बंद करने के दौरान पंखा व लाइट चालू छोड़ गए जिन्हें बंद करने पहुंचे और वापस दुकान बंद कर लौट गए।

इधर, उदयपुर शहर में हुई घटना से उत्पन्न तनाव के बाद शनिवार को स्थिति शांत देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से रविवार को शहरवासियों को राहत प्रदान की है। जिला मजिस्ट्रेट ताराचंद मीणा ने एक आदेश जारी कर रविवार 3 जुलाई को कर्फ्यू में 10 घंटे की छूट प्रदान की है। इस आदेश के तहत रविवार सुबह 8 से शाम 6 बजे तक कर्फ्यू में छूट रहेगी।

■ **इंटरनैट बंदी की अवधि 24 घंटे और बढ़ाई।**

एडीएम सिटी प्रभा गौतम ने बताया कि शहर के धानमंडी, घंटाघर, हाथीपोल, अंबामाता, सूरजपोल, सविना, भूपालपुरा, गोवर्धनविलास, हिरणमगरी, प्रतापनगर एवं सुखेर पुलिस थाना क्षेत्रों में लागू किए गए कर्फ्यू में दस घंटे की छूट दी गई है। निर्धारित अवधि के बाद इन थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू यथावत जारी रहेगा।

वहीं संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट ने एक आदेश जारी कर कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए संभाग के उदयपुर जिले के सम्पूर्ण क्षेत्र व राजसमंद जिले के भीम-देवगढ़ कस्बे में नैटबंदी की अवधि शनिवार से अगले 24 घंटे के लिए बढ़ा दी है। इस आदेश के तहत भट्ट ने शनिवार को तत्काल प्रभाव से आगामी 24 घंटे तक उदयपुर के सम्पूर्ण क्षेत्र व राजसमंद जिले के भीम-देवगढ़ क्षेत्र में इंटरनैट सेवा (लीज लाइन-ब्रॉडबैंड सेवाओं व लैंडलाइन फोन के साथ इंटरनेट सेवा को छोड़ते हुए) को निलंबित किया है।

सैनफ्रांसिस्को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिये आगे आ रहा है, जिन ताकतों का एकमात्र उद्देश्य इस इकलौते स्वतंत्र अंग (न्यायपालिका) को कमजोर करना है।" उस मानसिकता का जिक्र करते हुये, जो सरकार तथा विपक्ष- दोनों में बैठे लोगों को निर्देशित करती है, मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "सत्तारूढ़ दल यह मानता है कि, सरकार की हर कार्यवाही को न्यायपालिका का समर्थन मिलना ही चाहिये। विपक्षी दल न्यायपालिका से यह अपेक्षा करते हैं कि न्यायपालिका उनकी, राजनैतिक स्थितियों तथा हितों को आगे बढ़ाये।" सी.जे.आई. रमना ने कहा कि, सभी लोगों की यह "दोषपूर्ण सोच", संविधान एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं के काम-काज के बारे में आम जनता में सही जानकारी के अभाव में पनपती एवं फलती-फूलती है। आम जनता में जबरदस्त तरीके से पैदा किया जा रहा यह अज्ञान ऐसी ताकतों की सहायता करने के लिये आगे आता है जिनका एकमात्र उद्देश्य इस इकलौते स्वतंत्र अंग (न्यायपालिका) को कमजोर करता है।" उन्होंने कहा कि, इन्डो-अमेरिकनों की इस विशाल भीड़ की जड़ें भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में फैली विविधतापूर्ण सांस्कृतिक एवं भाषायी पृष्ठभूमि में हैं। उन्होंने श्रोताओं से कहा कि, अमेरिका आ सकते हैं तथा प्रतिष्ठा अर्जित करें क्योंकि अमेरिका विविधता का सम्मान करता है। उन्होंने जोर देते हुये कहा, "दुनिया में हर जगह विविधता की कद्र और सम्मान होना चाहिये।" उन्होंने कहा, "कृपया याद रखें, अमेरिकन समाज की सहिष्णुता एवं समावेशी प्रकृति ही सारी दुनिया की सर्वोत्तम प्रतिभाओं को यहाँ खींच लाती है, और ये प्रतिभाएं बदले में, अमेरिका की ग्रोथ में अपना योगदान देती हैं। विविध पृष्ठभूमियों की सुयोग्य प्रतिभाओं का सम्मान किसी तंत्र में समाज के सभी वर्गों में विश्वास पैदा करता है तथा उसे कायम रखता है।" भारत के पूर्व शासन कालों की ठोस नीतियों तथा उनके द्वारा रखी गई बुनियाद का जिक्र करते हुये, मुख्य न्यायाधीश रमना ने दुख व्यक्त करते हुये कहा कि, उन नीतियों को, जो सरकारों के बदलते रहने के बावजूद, देश और राज्यों की सर्वतोमुखी ग्रोथ में योगदान देने वाली थी, आगे बढ़ाये जाने का अभाव रहा है। सी.जे.आई. रमना ने पूर्ववर्ती सरकारों के नीतिगत फैसलों के प्रति अनुवर्ती सरकारों के विपरीत रूख पर दु:ख व्यक्त करते हुए कहा "दीर्घकालीन विकास के आधार के साथ छेड़छाड़ कभी नहीं करनी चाहिए। पूरी दुनिया में सरकार बदलने के साथ ही नीतियां भी बदलती हैं, लेकिन कोई भी संवेदनशील, परिपक्व और देशभक्त सरकार ऐसे तरीके से नीतियां नहीं बदलेगी, जिससे उसके देश का ही विकास रूक जाए या मंद पड़ जाए। भारत में जब भी सरकार बदलती है तो दुर्भाग्य से हमें ऐसी संवेदनशीलता और अपरिपक्वता अक्सर देखने को नहीं मिलती।

जयपुर में वकीलों ने कन्हैयालाल हत्याकाण्ड के आरोपियों से मारपीट की

चारों आरोपियों की जयपुर स्थित एन.आई.ए. कोर्ट में पेशी हुई, कोर्ट ने आरोपियों को 10 दिन की रिमाण्ड पर भेजा

जयपुर,2 जुलाई (कासं)। एनआईए मामलों की विशेष अदालत ने उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपी गौस मोहम्मद और रियाज के साथ ही आरोपी मोहसिन व आसिफ को 12 जुलाई तक एनआईए को सौंप दिया है। एनआईए ने मामले में चौदह दिन का रिमांड मांगा था। उधर पेशी के दौरान वकीलों ने आरोपियों से मारपीट की और उन पर पानी की खाली बोतलें भी फेंकी। आक्रोशित वकीलों ने आरोपियों को फांसी देने की मांग की।

■ **वकीलों ने आरोपियों पर पानी की खाली बोतलें फेंकीं तथा पुलिस से उनका एन्काउन्टर करने व फांसी देने की मांग की।**

■ **वकीलों ने एक आरोपी की पिटाई कर कपड़े फाड़ डाले।**

एनआईए ने अजमेर सैन्ट्रल जेल से दोपहर करीब डेढ़ बजे चारों आरोपियों को भारी पुलिस सुरक्षा के बीच लाकर जयपुर की विशेष अदालत में पेश किया। इससे पहले पुलिस टीम सुबह चारों को जयपुर एटीएस के ऑफिस ले गई। इसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान शहर के कई थानों की पुलिस के साथ ही आलाधिकारी कोर्ट पहुंच गए। स्थिति को देखते हुए एसटीएफ और करीब 1 दर्जन थानों के जाब्ते कोर्ट परिसर में तैनात किए गए। वहीं सादा वर्दी में भी पुलिसकर्मी कोर्ट के आसपास तैनात किया गया। एनआईए के साथ ही जयपुर कमिश्नरेट की टीम ने हालात को देखते हुए मौके पर मौजूद सभी पुलिसकर्मियों को यह जानकारी नहीं दी कि आखिर वे किस गेट से चारों आरोपियों को लेकर कोर्ट में जाएंगे। पुलिसकर्मी जिला एवं सैशन न्यायालय, जयपुर जिला के गेट नंबर दो पर तैनात किए गए, जिससे यह लगे कि आरोपियों को उसी गेट से लेकर आया जाएगा। इस कारण सभी अधिवक्ता भी गेट नंबर दो पर ही जमा हो गए। लेकिन, इसी बीच कलैक्ट्रेट सर्किल से पुलिस का काफिला आरोपियों को लेकर गेट नंबर एक से प्रवेश कर गया। गाड़ियां गेट नंबर एक पर पहुंची तो पुलिसकर्मी दौड़कर वहां तक गए और चंद मिनट में ही आरोपियों को वकीलों से बचाते हुए सुरक्षा का घेरा बनाकर बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर स्थित कोर्ट रूम में ले गए। इसी बीच कुछ वकील कोर्ट कक्ष में आरोपियों तक पहुंच गए और उनको जमकर खरी खोटी सुनाई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत के पीठासीन अधिकारी ने कोर्ट कक्ष से मीडियाकर्मियों सहित अन्य वकीलों को बाहर करने का आदेश देते हुए सिर्फ प्रकरण से जुड़े लोगों को ही उपस्थित रहने को कहा।

सूत्रों के अनुसार एनआईए की ओर से मामले में प्रार्थना पत्र पेश कर कहा गया कि आरोपियों से विस्तृत पूछताछ करनी है और उनके इंटरनैशनल कनैक्शन को लेकर भी पूछताछ करनी है। इसके अलावा प्रकरण में किन-किन लोगों ने आरोपियों की मदद की इस बारे में भी जानकारी हासिल करनी है। इसलिए आरोपियों को चौदह दिन की पुलिस अभिरक्षा में सौंपा जाए। इस पर अदालत ने आरोपियों को 12 जुलाई तक पुलिस अभिरक्षा में भेज दिया है।

इसी बीच आरोपियों की पेशी की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में वकील कोर्ट परिसर के बाहर एकत्र हो गए। 2 घंटे चली सुनवाई के दौरान बाहर मौजूद वकीलों ने जमकर हंगामा किया। उन्होंने दोषियों को फांसी देने की मांग की। आक्रोशित वकीलों ने भारत माता की जयकारे लगाने के साथ ही पुलिस को उनका एनकाउंटर करने के लिए कहा।

जयपुर एन.आई.ए.कोर्ट में कन्हैयालाल हत्याकाण्ड के आरोपियों की पेशी के दौरान वकीलों ने जमकर पिटाई की।

इस दौरान वहां मौजूद भीड़ ने एक आरोपी की पिटाई कर दी और कपड़े फाड़ डाले। कोर्ट परिसर में तैनात जाब्ता बीच-बचाव करते हुए आरोपियों को वहां से सुरक्षित लेकर निकला।

पेशी के बाद मामले में मुख्य आरोपी गौस मोहम्मद और रियाज को कड़ी सुरक्षा के बीच अजमेर सेन्ट्रल जेल लाया गया। जहां एनआईए के अधिकारी भी पहुंच गए। कोर्ट के आदेश के अनुसार दोनों को कागजी औपचारिकता पूरी करने के बाद एनआईए को सौंप दिया गया।

मोदी चाहते हैं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पास लोकसभा में प्रचण्ड बहुमत है। अगला उपराष्ट्रपति बनने के लिये संभावित उम्मीदवारों के रूप में दो अन्य नामों की चर्चा है- राज्यसभा में विपक्ष के पूर्व नेता गुलाम नबी आज़ाद, जिन्हें कांग्रेस ने हाशिये पर रखा हुआ है क्योंकि उन्होंने उन असंतुष्ट पार्टी नेताओं का नेतृत्व किया था, जिन्होंने पार्टी का कायाकल्प करने के लिए सोनिया गांधी को पत्र लिखा था। दूसरा संभावित नाम है- केरल के राज्यपाल, 70 वर्षीय आरिफ मोहम्मद खान।

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह (80) अपनी पत्नी एंव कांग्रेस सांसद प्रणीत कौर के साथ अगले सप्ताह भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो रहे हैं और साथ ही अपनी 8 माह पुरानी पंजाब लोक कांग्रेस का भाजपा में विलय कर रहे हैं।

माना जा रहा है कि, उन्होंने, अपने साथ कांग्रेस छोड़ने वाले अपने विश्वास पात्रों को लंदन से फोन करके कहा है कि, अगले सप्ताह उनके यू.के. से लौटने के बाद वो सब इस प्रक्रिया की तैयारियां शुरू कर दें।

लंदन में हाल ही में से उनकी रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन हुआ था और अब उनका स्वास्थ्य ठीक हैं। उन्होंने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह को फोन करके कहा है कि, उन्हें औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल किया जाए। जब विधानसभा चुनावों के दौरान शाह ने उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए कहा था तब उन्होंने ऑफर ठुकरा दिया था।

पटियाला राजघराने के वंशज अमरिन्दर सिंह अपने राजनीतिक गढ़, पटियाला सिटी में, आम आदमी पार्टी (आप) से पहली बार चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी के हाथों हारने के बाद गुमनामी में खो गए थे। उनकी जमानत भी जब्त हो गई थी।

पंजाब के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाए गए नवजोत सिंह सिद्धू के साथ महीने भर चले संघर्ष के बाद कैप्टन अमरिन्दर सिंह को पिछले वर्ष सितम्बर माह में मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया था। उन्होंने गत नवम्बर माह में कांग्रेस छोड़कर अपनी स्वयं की राजनीतिक पार्टी गठित की थी। सिद्धू के स्थान पर पूर्व सांसद सुनील जाखड़ को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया था। वह कैप्टन के निकट साथी हैं। जाखड़ पहले ही भाजपा में शामिल हो चुके हैं। उनसे पहले राज्य के चार पूर्व कैबिनेट मंत्री-बलबीर सिंह सिंधु, राजकुमार वर्मा, गुरप्रीत सिंह कंगड़ और सुन्दर श्याम अरोड़ा भाजपा में शामिल हुए थे।

कन्हैयालाल हत्याकाण्ड के आरोपी के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वह लिख रहा है कि "अल्लाह ताला हिंदुस्तान में जो मुसलमान के हालत खराब हैं, उनको तेरे महबूब के वासिले से अच्छा कर।"

वहीं कन्हैया हत्याकाण्ड में गिरफ्तार रियाज का एक फोटो नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया के साथ भी नजर आया है। इस पर कटारिया ने कहा कि "अल्पसंख्यक मोर्चा के पुराने किसी कार्यक्रम में फोटो खींचा होगा। इरशाद चैनवाला अल्पसंख्यक मोर्चा का पुराना कार्यकर्ता है। बाकी इस पूरे मामले में अगर मैं या भाजपा का कोई भी आदमी अगर जुड़ा हुआ है या गलत है तो उसे सजा मिलनी चाहिए।"

कन्हैयालाल के हत्यारे के भाजपा नेताओं के साथ फोटो सामने आने के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने शनिवार को मीडिया से कहा कि जघन्य हत्या के मुख्य आरोपी रियाज अत्तारी के साथ भाजपा के दो नेता, इरशाद चैनवाला और मोहम्मद ताहिर के संबंधों की तस्वीरें जगजाहिर हैं। यह बात भी सामने आई है कि वह राजस्थान भाजपा के कद्दावर नेता और राज्य के पूर्व गृह मंत्री गुलाबचंद कटारिया के कार्यक्रमों में अक्सर भाग लेता था। रियाज की भाजपा की राजस्थान अल्पसंख्यक इकाई की बैठकों में शामिल होने की तस्वीरें भी अब दुनियाभर के सामने हैं।

खेड़ा ने कहा, फेसबुक पर भाजपा नेता इरशाद चैनवाला के 30 नवंबर 2018 और मोहम्मद ताहिर के 3 फरवरी 2019, 27 अक्टूबर 2019, 28 नवंबर 2019 और 10 अगस्त 2021 को किए गए पोस्टों के माध्यम से स्पष्ट है कि उदयपुर में दुकानदार कन्हैयालाल की हत्या का आरोपी रियाज केवल भाजपा नेताओं का करीबी ही नहीं, बल्कि भाजपा का सक्रिय सदस्य भी था। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यह केस एनआईए को देने का स्वागत किया, पर नए तथ्य आने पर यह सवाल उठ रहा है कि क्या केंद्र की सरकार ने इन्हीं कारणों से इस घटना को जल्दबाजी मे एनआईए को ट्रांसफर करने का फैसला किया है ?

वहीं इस मामले में उदयपुर भाजपा शहर अध्यक्ष रविंद्र श्रीमाली ने कहा कि रियाज हमारी पार्टी का सदस्य नहीं है। भीड़ में कोई भी खड़ा होकर तस्वीर खिंचा सकता है तो ऐसे शख्स को किसी पार्टी से जोड़ा नहीं जा सकता। हम किसी भी एजेंसी से जांच का सामना करने को तैयार हैं। वहीं भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष एम साजिद खान ने कहा कि भाजपा मेंबरशिप के आधार पर देश की सबसे बड़ी पार्टी है। कोई भी भीड़ में बड़े नेताओं के साथ फोटो खिंचवाता है, इसका मतलब यह नहीं कि रियाज बीजेपी का सदस्य है। हत्याकांड के आरोपियों से पार्टी का कोई कनैक्शन नहीं है। साजिद ने कहा कि गुलाबचंद कटारिया हमारे उदयपुर के सर्वमान्य नेता हैं और लोग उनके साथ में फोटो खिंचवाते हैं, इसका मतलब यह नहीं कि फोटो खिंचवाने वाला व्यक्ति पार्टी का कार्यकर्ता है। खेड़ा ने हत्यारों की पहचान का रहस्योद्घाटन होने के बाद तीन सवाल दागे।

-क्या भाजपा और उसके नेता धार्मिक उन्माद का वातावरण निर्मित करने की कोशिश कर रहे हैं ?

-भाजपा नेताओं द्वारा उन्माद फैलाने के बाद क्या प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अमित शाह अब भी चुप्पी साधे रहेंगे ? और

-क्या भाजपा "ध्रुवीकरण" का राजनीतिक लाभ लेने के लिए अपने नेताओं और प्रवक्ताओं के जरिए देश को आग में झोंकने की तैयारी कर रही हैं ?

संयुक्त किसान मोर्चा बहुत जल्द फिर से आंदोलन शुरु करेगा

नई दिल्ली, 2 जुलाई। अब एक बार फिर संयुक्त किसान मोर्चा (एस.के.एम.) अपनी गतिविधियां तेज करने की तैयारी कर रहा है। किसानों से जुड़े मुद्दे को लेकर एस.के.एम. फिर से आंदोलन करने की तैयारी में है। इसे लेकर योजना पर चर्चा के लिए संयुक्त किसान मोर्चा ने कल यानी 3 जुलाई को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में बैठक बुलाई है। इस बैठक में मोर्चा से जुड़े सदस्य शिरकत करेंगे।

संयुक्त किसान मोर्चा के नेता कल होने वाली बैठक में इस बात पर चर्चा करेंगे कि आने वाले समय में किसान से जुड़े मुद्दे को सरकार के सामने किस तरह से उठाया जाए और इसका समाधान कराया जाए। बता दें कि पिछले साल दिसंबर में एक साल से ज्यादा समय तक चले आंदोलन के खत्म होने के बाद संयुक्त किसान मोर्चा की गितिविधियां शांत हो गई थीं। संयुक्त किसान मोर्चा के आंदोलन के बाद नए कानूनों को रद्द करने के बाद केंद्र सरकार की ओर से इस प्रस्ताव को भी माना गया था कि एम.एस.पी. यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी देने पर भी विचार किया जाएगा। तब केंद्र सरकार की ओर से यह भी कहा गया था कि एम.एस.पी. की गारंटी सुनिश्चित करने के लिए जो कमेटी बनाई जाएगी, उसमें किसान संगठनों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाएगा। हालांकि, सरकार ने अब तक इस दिशा में कुछ खास पहल नहीं की है। कल गाजियाबाद की बैठक में एस.के.एम. के पदाधिकारी अब एम.एस.पी. को लेकर आंदोलन की रणनीति पर चर्चा कर सकते हैं। वहीं, एस.के.एम. की बैठक के एजेंडे में उन संगठनों की मोर्चा में वापसी भी शामलि है, जो पंजाब विधानसभा चुनाव के वक्त अलग हो गए थे।

भागवत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा सह प्रांत प्रचारकों की उपस्थिति अपेक्षित रहेगी। डॉ. रमेश ने बताया कि प्रांत प्रचारक बैठक में संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले सहित सभी सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल, डॉ. मनमोहन वैद्य, सीआर मुकुंद, अरुण कुमार व रामदत्त शामिल होंगे।

'गहलोत की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निकम्मा" शब्द तो शायद उनका प्रिय है। मुझसे पहले अपनी पार्टी के ही एक युवा नेता के लिए इस शब्द का प्रयोग चुके हैं। शायद युवाओं से ही उनको चिढ़ है... चाहे अपनी पार्टी में हों या विपक्ष में। हर आगे बढ़ने वाले युवा से उनको कष्ट है। भाषण का समापन सारांश से किया जाता है और सीएम साहब ने वह मुझे समर्पित कर दिया। मैं तो यही कहूंगा आपकी भाषा और भावना आपको ही मुबारक...।"

मुंबई-अहमदाबाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसकी योजना इस जगह पर एक कन्वैन्शन सैन्टर बनाने की थी।

'प्र.मंत्री जी ऐसे निकम्मे मंत्री को रखते ही क्यों हो, जो आपकी मीटिंग में ही एबसैन्ट माइन्ड रहता है'

ईआरसीपी के मुद्दे पर बुलाई बैठक में मुख्यमंत्री गहलोत ने केन्द्रीय मंत्री शेखावत पर शब्द बाण चलाये

■ **ईआरपीसी को पूर्वी राजस्थान में बड़ा मुद्दा बनाएगी कांग्रेस, 13 जिलों के मंत्री-विधायकों सहित प्रमुख नेताओं की बैठक में ऐसे संकेत दिए।**

जयपुर, 2 जुलाई (का.प्र.)। ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को निकम्मा और एब्सैंट माइंड बताया है। ईआरसीपी को लेकर 13 जिलों के विधायकों और कांग्रेस नेताओं की मीटिंग में गहलोत ने कहा कि "गजेंद्र सिंह खुद प्रधानमंत्री की सभा में थे, आपने देखा होगा फोटो में, इसके बावजूद वे इस तरह की बात बोल रहे हैं। इसका मतलब वह मीटिंग में माइंड रहते हैं। प्रधानमंत्री की मीटिंग में एब्सैंट माइंड रहना अच्छी बात है क्या? इसका मतलब हम कभी कहेंगे कि प्रधानमंत्री जी ऐसे निकम्मे मंत्री को रखते ही क्यों हो जो आपकी मीटिंग में ही एब्सैंट माइंड रहता है। प्रधानमंत्री बोले और आपने सुना ही नहीं, गजेंद्र सिंह खुद कह रहे हैं कि सुना ही नहीं।"

कांग्रेस को अब ईस्टर्न राजस्थान कैनाल परियोजना को बड़ा मुद्दा बनाने की तैयारी करनी है। ये मुद्दा ऐसा है, जो कम से कम राजस्थान के पूर्वी हिस्से को प्रभावित करेगा। यही कारण है कि मुख्यमंत्री आवास पर ईआरसीपी को लेकर बैठक बुलाई गई। बैठक में मुख्यमंत्री के साथ ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी थे। ईस्टर्न राजस्थान कैनाल परियोजना के तहत राजस्थान के 13 जिलों अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, दौसा, जयपुर, अजमेर, टोंक, बूंदी ,कोटा, झालावाड़ और बारां की करीब 86 विधानसभा सीटें आती हैं। ऐसे में कांग्रेस निकट भविष्य में इस परियोजना को लेकर ईस्टर्न राजस्थान में बड़ा आंदोलन शुरू कर सकती है। मीटिंग में जलदाय मंत्री महेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने का अजमेर और जयपुर की सभाओं में वादा किया था, आप निभाओ। मंत्रीजी ने बैठे-बैठे लैक्चर दे दिया कि, अगर प्रधानमंत्री ने इस तरह का वादा किया हो तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। नहीं तो मुख्यमंत्री और आपको लेना होगा।" अब लें वे संन्यास, कहां चले गए, यह स्थिति है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2018 की जयपुर और अजमेर की सभाओं में किए गए वादों पर गहलोत ने कहा कि दोनों सभाओं में पीएम मोदी ने अजमेर और जयपुर में ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने का उल्लेख किया था। अब और क्या कह सकते थे। मुख्यमंत्री ने दूसरी बार किसी नेता के लिए निकम्मा शब्द का इस्तेमाल किया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इससे पहले जुलाई 2020 में राजनीतिक संकट के समय सचिन पायलट को नाकारा - निकम्मा कहा था। अब केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के लिए निकम्मा शब्द का इस्तेमाल किया है। मुख्यमंत्री की ओर से इस मसले पर 13 जिलों के नेताओं की बैठक बुलाए जाने तथा केंद्रीय मंत्री को निकम्मा कहने के बाद तय है कि आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर दोनों पार्टियों के बीच जुबानी जंग तेज होने वाली है।

पाक में ब्लास्फमी (ईशनिंदा) के आरोप में सैमसंग कंपनी के 27 कर्मचारी गिरफ्तार

18-पाकिस्तान --------

इस्लामाबाद, 2 जुलाई। पाकिस्तान के कराची में उस समय जमकर विरोध प्रदर्शन हो गया, जब स्टार सिटी मॉल में सैमसंग कंपनी के कर्मचारियों पर ईशनिंदा करने का आरोप लगा। मामले में पुलिस ने कंपनी के 27 कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया है। आरोप है कि कराची के स्टार सिटी मॉल में सैमसंग कंपनी के वाईफाई डिवाइस इंस्टॉल किया गया था, जिस पर कथित तौर पर ईशनिंदा करने वाले कमेंट किए गए। इससे नाराज लोगों ने सैमसंग के कई होर्डिंग्स में तोड़फोड़ की और वैश्विक फर्म के खिलाफ ईशनिंदा के आरोप लगाए गए।

भीड़ को मोबाइल कंपनी के बिलबोर्ड पर बने क्यू.आर. कोड पर ऐतराज था, जो उनके हिसाब से ईशनिंदा है और अल्लाह का अपमान कर रहा था। इस क्यू.आर. कोड से गुस्साए लोगों ने आगजनी के बाद जमकर नारेबाजी की। मामले को लेकर सोशल मीडिया पर भी गुस्सा देखा गया। पाकिस्तान की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कराची पुलिस ने मामले की गंभीरता को समझते हुए सभी वाईफाई को बंद करा दिया है। साथ ही पुलिस ने उस डिवाइस को भी जब्त कर लिया है, जिससे ईशनिंदा की गई। मामले पर सैमसंग कंपनी ने माफी मांगी है और कहा कि कंपनी ने धार्मिक मामलों पर तटस्थता बनाए रखी है।

पुलिस के बयान के मुताबिक, मामले की गंभीरता को देखत हुए, प्रीडी एस.एच.ओ. मौके पर पहुंचे और उन्होंने डिवाइस को बंद कर दिया और उसे जब्त कर लिया। पुलस ने घटना को लेकर बताया कि सैमसंग दफ्तर के 27 लोगों को हिरासत में लिया गया है और पूछताछ की जा रही है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि वे पूरे मामले में संघीय जांच एजेंसी की साइबर क्राइम विंग के साथ काम कर रहे हैं, ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि इन डिवाइस को स्थापित करने के लिए कौन जिम्मेदार था। इस मामले में कर्मचारियों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। वहीं, लोगों के विरोध प्रदर्शन के बीच, पाकिस्तान सैमसंग ने भी इसे लेकर सफाई दी है। कंपनी का कहना है कि वो लोगों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करती है। मामले की जांच के लिए कंपनी एक इंटरनल कमीशन बना रही है। साथ ही कंपनी ने साइबर विंग को पूरा सहयोग देने की बात कही।

गौरतलब है कि ईशनिंदा को पाकिस्तान में एक बेहद संवेदनशील मुद्दा माना जाता है। इसके आरोपी कट्टरपंथी समूहों के लिए आसान टारगेट होते हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908